डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 42 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 17 नवम्बर से 23 नवम्बर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

प्रमोद जैन भाया ने दो वर्ष बाद फिर जीती अंता सीट

-भाजपा के सुमन मोर और निर्दलीय नरेश मीणा से था मुकाबला
-सुमन मोर की हार से भाजपा और पूर्व मुख्यमंत्री को लगा बड़ा झटका

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की अंता विधानसभा चुनाव में पूर्व मंत्री कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया विजयी रहे। प्रमोद जैन भाया ने अंता विधानसभा सीट करीब 15 हजार मतों से जीती। प्रमोद जैन भाया 2023 में हुए विधान सभा चुनाव में भाजपा के कमल मीणा से चुनाव हार गए थे। हाईकोर्ट की ओर से विधायक कमल मीणा की विधानसभा सदस्यता रदद होने के बाद अंता विधानसभा का चुनाव चुनाव आयोग को फिर से करवाना पड़ा। प्रमोद जैन भाया ने यह सीट मात्र दो वर्ष से कम समय में ही फिर से जीत ली । प्रमोद जैन भाया का जीतना उनके और कोंग्रेस पार्टी दोनों के लिए सुखद है।

सुमनमोर की हार से भाजपा को झटका

अंता विधानसभा चुनाव झालावाड़ संसदीय क्षेत्र में आता है जहां पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे का वर्चस्व माना जाता है। भाजपा उम्मीदवार सुमन मोर को पूर्व मुख्यमंत्री राजे की सलाह पर ही उम्मीदवार बनाया गया था। भाजपा उम्मीदवार की 15 हजार वोटों से हार, वह भी भाजपा शासन में पार्टी के लिए और पूर्व मुख्यमंती राजे के लिए बड़ा झटका है। वैसे माना जाता है कि हाड़ौती के एक भाजपा गुट ने भाजपा उम्मीदवार को हराने और कोंग्रेस उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया को जिताने के लिए अंदरूनी रूप से कार्य किया था । निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा ने इस तरह के आरोप अपने भाषणों में भाजपा नेताओं पर लगाए हैं।

नरेश मीणा हार कर भी उभरे-

निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा तीसरे नम्बर आने के बावजूद अंता और हाड़ौती के लोगों में काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। नरेश मीणा के भाजपा उम्मीदवार से कुछ 100 ही वोट कम आए हैं । लेकिन उनके चुनाव लड़ने के प्रयास और संघर्ष को लोगों ने काफी सराहना की है। नरेश मीणा के साथ युवाओं की एक बड़ी टीम है। जिस तरह नरेश मीणा को अंता के लोगों का समर्थन मिला है, उससे लगता है कि नरेश मीणा प्रदेश के बड़े नेता बन सकते हैं। नरेश मीणा ने चुनाव में केवल मीणा समाज के वोट ही नही लिए, बल्कि करीब-करीब सभी समाजों के वोट हासिल किए। नरेश मीणा को छोटे दलों और नेताओं का पूरा समर्थन मिला जिनमें सांसद हनुमान बेनीवाल, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा, संसद संजय सिंह, एसडीपीआई पार्टी आदि । नरेश मीणा एक संघर्षशील लीडर की छवि बना चुके हैं। आगामी चुनावों में इस छवि का उनको फायदा मिल सकता है ।

सऊदी के साथ द्विपक्षीय समझौते में भारत का कोटा फिक्स

- इस साल पौने दो लाख हज यात्री जाएंगे हज पर

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब के जेद्दाह में हज-2026 के लिए द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारत का कोटा 1,75,025 हाजियों का तय हुआ । दोनों देशों ने सुविधाएं, आवास, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर चर्चा की । केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने सऊदी अरब के जेद्दाह में द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता हज 2026 की यात्रा के लिए किया गया है । इस समझौते के तहत, 2026 के लिए भारत का कोटा 1,75,025 हाजियों के लिए तय किया गया है । मंत्री रिजिजू ने सऊदी हज और उमरा मंत्री तौफीक बिन फौजान अल रबिया के साथ द्विपक्षीय बैठक की ।

किरेन रिजिजू 7 से 9 नवंबर तक सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे । इस दौरान जेद्दाह में हुई बैठक में दोनों मंत्रियों ने हज की जारी तैयारियों की समीक्षा की । उन्होंने भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मीटिंग के दौरान, दोनों मंत्रियों ने समन्वय और रसद सहायता को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की । ऑफिशियल स्टेटमेंट कहा गया है कि चर्चा सुविधाओं, परिवहन, आवास और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर केंद्रित थी । इसका मकसद तीर्थ यात्रियों के लिए एक सहज और आरामदायक ज़ियारत (तीर्थयात्रा) का एक्सपीरिएंस सुनिश्चित करना है ।

हज तैयारियों की आंतरिक समीक्षा

बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने जेद्दाह में हज-2026 के लिए भारत और सऊदी अरब के राज्य के बीच द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर किए. बयान में पुष्टि की गई कि भारत के लिए देश का कोटा 1,75,025 तय किया गया है । यात्रा के दौरान, रिजिजू ने हज-2026 के लिए जारी तैयारियों का आकलन करने के लिए रियाद में भारतीय दूतावास और जेद्दाह में महावाणिज्य दूतावास के अधिकारियों के साथ एक आंतरिक समीक्षा बैठक भी की । उन्होंने भारतीय हाजियों के सुविधा और आराम को सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में मिशन और वाणिज्य दूतावास की टीमें द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की ।

बुनियादी ढांचे का निरीक्षण

मंत्री ने तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की प्रत्यक्ष जानकारी हासिल करने के लिए जेद्दाह और ताइफ में प्रमुख हज और उमरा से संबंधित स्थलों का क्षेत्रीय दौरा भी किया, जिसमें जेद्दाह में टर्मिनल 1 और हरमैन स्टेशन शामिल हैं । उन्होंने जेद्दाह और ताइफ में भारतीय प्रवासी के कुछ सदस्यों के साथ भी बातचीत की ।

भारत-सऊदी संबंधों को मजबूती

बयान में कहा गया है कि यह यात्रा भारत और सऊदी अरब के राज्य के बीच गहरी होती साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है । यह साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि दोनों राष्ट्र विविध क्षेत्रों, विशेष रूप से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामुदायिक कल्याण में सहयोग का विस्तार करें ।

राज्य सरकार जनजातीय विकास के लिए संकल्पित - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजाति समुदाय ने सदियों से प्रकृति, संस्कृति, साहस और सत्य के मार्ग को जीवंत रखा है। राजस्थान के हृदय में सबसे जीवंत और प्रखर धारा के रूप में हमारे आदिवासी भाई-बहन हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का इतिहास संघर्ष से भरा है, लेकिन उससे भी अधिक गौरवपूर्ण है। इन्होंने जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर विश्व को जीना सिखाया है। त्योहार, गीतों और परम्पराओं से राजस्थान की पहचान को समृद्ध बनाया है। उन्होंने कहा कि जनजातियों के नृत्य में ताल ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों की कहानियां समाहित हैं। इसी प्रकार, त्योहारों में रंग ही नहीं, आदिवासी गौरव की चमक भी बसती है। राज्य सरकार इन परम्पराओं को संजोने के साथ ही दुनिया के सामने गर्व से पेश करेगी। राज्य सरकार जनजाति कल्याण के लिए कृत-संकल्पित है। शर्मा शनिवार को डूंगरपुर के श्री भोगीलाल राजकीय महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब हम भगवान बिरसा मुंडा को याद करते हैं, तब हमें प्रदेश के उन अमर जननायकों का भी स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने इस धरती को वीरता और बलिदान से पवित्र किया। गोविंद गुरु ने मानगढ़ की पहाड़ियों पर भील समाज को संगठित कर भगत आंदोलन का नेतृत्व किया। इसी प्रकार, वीर बालिका कालीबाई ने महज 12 वर्ष की आयु में अपने गुरु की रक्षा के लिए बलिदान दिया। ये सभी केवल नाम नहीं हैं बल्कि हमारी धरोहर और पहचान हैं।

प्रधानमंत्री विकास को बना रहे सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'विकास को सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी बनाने के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं, जो नए भारत की आधारशिला बन रहे हैं। देश भगवान बिरसा मुंडा के निःस्वार्थ त्याग और राष्ट्रसेवा के लिए सदा ऋणी रहेगा, प्रधानमंत्री का यह वाक्य केवल श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है कि हम धरती आबा के आदर्शों के मार्ग पर निरंतर चलते रहेंगे।

शेष पृष्ठ 2 पर....

जयपुर में तीन दिवसीय तब्लीगी इज्तिमा का आयोजन

-इज्तिमा में उलेमाओं ने इस्लाम की पांच बुनियादी चीजों क़लमा, नमाज़, रोज़ा, ज़कात और हज की अहमियत बताई
- उलेमाओं ने कुरान को पढ़ने और उसके बताए रास्ते पर चलने की जरुरत बताई
-12 काज़ियों ने 22 मिनट में 160 जोड़ों को निकाह करवाया
-जयपुर के कर्बला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय तब्लीगी इज्तिमा में लाखों मुसलमानों ने शिरकत की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कुरआन की तालीम को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना चाहिए और कुरआन पढ़ने के साथ-साथ उसके बताए रास्ते पर चलने की जरूरत भी आवश्यकता है। जयपुर के कर्बला मैदान में शुक्रवार 15 नवंबर से सोमवार 17 नवम्बर तक आयोजित तीन दिवसीय दीनी तब्लीगी इज्तिमा में इस्लामी विद्वानों और स्कॉलर्स ने यह विचार व्यक्त किये । उलेमाओं ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति की पहिचान उसके अखलाक (व्यवहार) से होती है। इसलिए घर, समाज और कारोबार हर जगह सादगी, ईमानदारी और नर्मी अपनाना जरूरी है। उलेमाओं ने इस्लाम की पांच बुनियादी चीजों क़लमा, नमाज़, रोज़ा, ज़कात और हज की अहमियत बताई। साथ ही कहा कि मुसलमान की जिंदगी इन्हीं सिद्धांतों पर टिकी है। इनका पालन करना हर मुस्लिम का फर्ज़ है। उलेमाओं ने अपनी तकरीरों में बताया कि हमें दीन सिखाने के लिए अल्लाह ने अपने पैगम्बरों को दुनिया में भेजा और इंसानियत की सेवा का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा करने से बड़ी कोई सेवा नहीं है। अल्लाह के नबी मोहम्मद साहब ने इंसानियत के लिए जो अमल और अदब बताया है, उसे कबूल करो। खुदा को पहचानों, जिसने ये दुनिया, आसमान, हवा, जमीन और चांद समेत तमाम चीजें बनाई। इन सब सौगातों के लिए खुदा का शुक्रिया अदा करो। अन्य वक्ताओं ने लोगों से इल्म हासिल करने की अपील करते हुए कहा कि तालीम ही वह रास्ता है जो बेहतर इंसान बनाती है। उन्होंने बताया कि आज के दौर में सादगी से जीना और तालीम के लिए समय निकालना पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है।

12 काज़ियों ने 160 जोड़ों का निकाह करवाया-

दीनी तब्लीगी इज्तिमा में दूसरे दिन रविवार को 160 जोड़ों का निकाह हुआ। मुफ़्ती सैयद अमजद अली के नेतृत्व में 12 काज़ियों ने 22 मिनट में 160 जोड़ों का निकाह करवाया। मुफ़्ती साहब ने कहा कि इंसान अगर खुद पर गौर करे तो अल्लाह का शुक्र अदा करता रहेगा । इज्तिमा में निकाह करने वाले परिवारों का कोई फिजूल खर्च नहीं हुआ। इज्तिमा में निकाह होने से समाज में दहेज के चलन पर रोक लग सकती है। मुस्लिम समाज में आजकल दहेज़ का चलन कुछ ज्यादा ही चल रहा है। दहेज़ के कारण मुस्लिम परिवार कर्ज़दार हो रहे हैं। दहेज़ देने वाले परिवार झूठी शान के लिए कर्ज़ से पैसे लेते हैं और बाद में पूरी जिंदगी चुकाते रहते हैं।

प्रशांत किशोर की बिहार में रणनीति हुई फैल

-प्रशांत किशोर को चुनावी रणनीतिकार माना जाता है

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । प्रशांत किशोर को अब तक चुनावी रणनीतिकार माना जाता था। प्रशांत किशोर का दावा था कि उन्होंने पूर्व में मोदी को प्रधानमंत्री बनवाया, नीतिश और ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बनवाया । प्रशांत किशोर ने पहली बार एक नई पार्टी जनस्वराज बनाकर बिहार चुनाव में अपना भाग्य आजमाया। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सबसे ज्यादा पत्रकारों को इंटरव्यू देने वाले प्रशांत किशोर सबसे ज्यादा चर्चित चेहरे बन गए थे। लेकिन विधानसभा चुनाव रिजल्ट आने के बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर कहीं भी दिखाई नहीं दे रहे हैं । प्रशांत किशोर की पार्टी की एक भी सीट बिहार विधानसभा चुनाव में नहीं आयी है । प्रशांत किशोर का दावा था कि बिहार में बदलाव निश्चित रूप से होगा और जेडीयू की 25 से ज्यादा सीट नहीं आएँगी । यदि जेडीयू की 25 से ज़्यादा सीटें आएंगी तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा । अब प्रशांत किशोर का किसी को अता-पता नहीं है कि वे कहाँ पर हैं और अन्होंने राजनीति छोड़ी है या आगे की कोई नई रणनीति बना रहे हैं ।

आगामी चुनावों में ओवैसी को मिल जायेंगे राजनीति के साथी

-बिहार में जीतीं 5 विधानसभा सीटों का फायदा एआईएमआईएम को भविष्य में मिल सकता है
-राजस्थान में नरेश मीणा, सांसद हनुमान बेनीवाल और पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा से समझौता हो सकता है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने बिहार विधानसभा में भाजपा की आंधी के बावजूद 5 विधानसमा सीटों पर जीत दर्ज की है । ओवैसी बिहार विधानसभा चुनावों के बाद देश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। देश के छोटे-छोटे राजनितिक दल जो एनडीए गठबंधन और इण्डिया गठबंधन में शामिल नहीं हैं, साथ मिलकर तीसरा मोर्चा बना सकते हैं। राजस्थान में सांसद हनुमान बेनीवाल अंता से विधानसभा चुनाव लड़े नरेश मीना, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा और आदिवासी पार्टियां ओवेसी के राजनितिक साथी हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश में आजाद समाज पार्टी जिसके प्रमुख चन्द्रशेखर आज़ाद और अपना जनता पार्टी जिसके प्रमुख हैं स्वामी प्रसाद मौर्य । इस तरह अन्य राज्यों में छोटे दलों का साथ मिल सकता है। क्योंकि छोटे-छोटे दल धार्मिक आधार पर अपनी रणनीति तैयार नहीं करते हैं जबकि भाजपा और कोंग्रेस चुनावों में धार्मिक मुद्दों का ध्यान रखती है। ओवैसी को मुस्लिम में काफी पसंद किया जाता है । ओवैसी ने मुसलमानों में जितनी राजनितिक जागरूकता पैदा की है उतनी किसी दूसरे मुस्लिम नेता ने नहीं की है। इसलिए संभावना है कि देश आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में ओवैसी का महत्वपूर्ण योगदान रह सकता है ।

मुस्लिम विधायकों की संख्या घटकर 11 पर पहुंची

-बिहार प्रदेश में 18 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा जेडीयू की आंधी में विपक्षी पार्टियाँ सूखे पत्ते की तरह उइती नज़र आयीं । भाजपा ने सबसे ज्यादा 89 और जेडीयू ने 85 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की । इण्डिया महागठबंधन को मात्र 34 सीटों पर ही जीत मिल सकी। विपक्ष और इण्डिया गठबंधन की हार का असर मुस्लिम विधायकों की संख्या पर भी पड़ा। बिहार विधानसभा चुनाव में मात्र 11मुस्लिम विधायक जीतकर आए हैं । जिनमें 5 विधायक एआईएमआईएम, 2 कांग्रेस और राजद से जीतकर आए हैं । सबसे ज्यादा मुस्लिम विधायक एआईएमआईएम से जीतकर आए हैं । एआईएमआईएम ने बिहार में 28 विधानसमा सीटों पर चुनाव लड़ा था । एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को जिताने में पार्टी प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने आक्रामक चुनाव प्रचार किया। ओवैसी ने मुसलमानों के लिए भाजपा की तरह राजद और कांग्रेस को भी नुकसानदायक बताया था। ओवैसी ने महागठबंधन के साथ चुनावी समझौता करने की पूरी कोशिश की थी लेकिन कांग्रेस और राजद ने ओवैसी के साथ गठबंधन करने से साफ इंकार कर दिया था। एआईएमआईएम 28 सीटों पर चुनाव लड़ी, इनमें से 20 सीटों पर एनडीए चुनाव जीत गयी। यदि महागठबंधन और एआईएमआईएम के साथ समझौता होता तो पूरी 28 सीट महागठबंधन आसानी से जीत सकती थी।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा सिर्फ 12 सीटें हारी

-भाजपा के 5 उम्मीदवारों को मुस्लिम उम्मीदवारों ने हराया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रचंड लहर के वाबजूद भाजपा के 12 उम्मीदवारों को फिर भी हार का मुंह देखना पड़ा। सबसे आश्चर्य की बात है कि 12 में से पांच भाजपा उम्मीदवारों को मुस्लिम उम्मीदवारों ने हराया। भाजपा ने कुल 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से 89 पर जीत दर्ज की और 12 पर हार नसीब हुई । भाजपा के पांच उम्मीदवार विनोद कुमार, वीणा देवी, हरिभूषण ठाकुर, स्वीटी सिंह और पवन कुमार जायसवाल को क्रमश: गुलाम सरवर (एआईएमआईएम), मोहम्मद सरवर आलम (एआईएमआईएम), आसिफ अहमद (राजद), मोहम्मद कमरुल होदा (कांग्रेस) और फैसल रहमान (राजद) ने चुनाव हरा दिया। बिहार विधानसभा चनाव का असर देश की राजनीति में निश्चित रूप से दिखाई देगा। विपक्षी दल बिहार विधानसमा चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहे हैं, जबकि भाजपा इसको जनता का जनाधार बता रही है ।

डॉ. अल्लामा इकबाल की याद में मुशायरे का आयोजन हुआ

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। डॉ. अल्लामा इकबाल की यौमे पैदाइश के मौके पर बीते शुक्रवार को दर्सगाह स्कूल शहर सवाई माधोपुर में मुशायरा का आयोजन किया गया। जिसमें देश के मशहूर शायरों ने अपनी नज्मों और ग़ज़लों से मुशायरे में समा बांधे रखा। मध्य प्रदेश से आए शायर अनवर ग़फ़िल ने " हम ही सजाते रहेंगे उसे जमीनों पर हम अपने मुल्क की मिट्ठी को मां समझते हैं।" पढ़कर देश भक्ति की मिसाल पेश की ओर खूब वाहवाही लूटी। अय्यूब बिस्मिल जयपुरी ने " परचम उठाए अमन का फिरता है अब वही कल जल उठा था शहर ये जिसके बयान पर।" मुशायरे में सरपरस्त काजी निसारउल्लाह रहे, मुशायरे का आगाज़ शहर काजी मोहम्मद इरफान उल्लाह ने किया जिसमें उन्होंने डॉ. अल्लामा इक़बाल साहब की तालिमात पर रोशनी डाली। सदारत मशहूर डॉ. अकरम खान ने की, मुशायरे का संचालन मशहूर उर्दू शायर सरफराज़ बज़्मी ने किया। शायरों में डॉ. अशफ़ाक अरशी मध्यप्रदेश, रियाज़ तारिक कोटा, अशफ़ाक सफदर बारा, हिसामुद्दीन रज़ा बारा, शरीफ़ पटेल, एजाज़ फ़ायिजी टोंकी, क़ारी इज़्ज़त अली टोंकी, शफीक वारसी जयपुर, अब्दुल हमीद हेरा कैथून, अब्दुल मजीद सफदर, खालिक शाईक काजी इस्लाम उल्लाह,अमीर हुसैन अंसारी आदि शायरों ने कलाम पेश किया।

ऑल इंडिया मुस्लिम वक्फ संपत्ति संरक्षण बोर्ड की जानिब से गंगापुरसिटी में शिविर का आयोजन किया

गंगापुरसिटी (रॉयल पत्रिका) । कोशिफा फार्मेसी एंड डायग्नोस्टिक सेन्टर गवर्नमेंट हॉस्पिटल के पास, चूली गेट, गंगापुर सिटी (सवाई माधोपुर) में प्रदेश सचिव अब्दुल सलाम की सदारत में 16 नवम्बर 2025 रविवार को शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट रहीस अहमद कुरैशी, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ताजू खां व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आफताब हिन्दुस्तानी रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के गंगापुर सिटी दौरे के उपलक्ष्य में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण निःशुल्क किया गया। शिविर में रक्त दान दाताओं 103 यूनिट रक्त दान किया। रक्त दान दाताओं को मोमेंटो व सर्टिफिकेट देकर सम्मान किया। शिविर में सियाराम हॉस्पिटल की टीम का सहयोग रहा।कार्यक्रम में अब्दुल कलाम, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद शफीक, खालू जी, हाशिम खान, देवेन्द्र सिंह, पवन पंडित जी, सुरेश शर्मा एवं गंगापुर सिटी के गण मान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री श्याम सलोना सेवा समिति के तत्वावधान में बालिकाओं के विवाह में सहयोग

चौमू (रॉयल पत्रिका) । भगवान सहाय यादव ने बताया कि श्री श्याम सलोना सेवा समिति ने गौ-माता की सेवा में गौशाला में चार पहिये की पिकअप अच्छा दलिया सहित कई प्रकार के हरा चारा कई वर्षों से सेवा करते आ रहे हैं। इसी प्रकार गरीब लोग तथा असहाय लोगों, बच्चियों की शादियों में पूरा सहयोग करते आ रहे हैं। इस संस्था के सदस्य मनीष गोयल ने बताया कि इसी प्रकार श्री श्याम सलोना सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर वाल्मीकि समाज की बालिकाओं के विवाह में सहयोग हेतु आवश्यक गृहस्थी सामान प्रदान कर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इन जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मौके पर पहुंचकर आशीर्वाद प्रदान किया और इन समिति का अभिनंदन किया। ऐसी समिति हर जगह गठित होने से ऐसा लोगों के बच्चों को गरीब के लोगों की बच्चियों की शादी समारोह हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा, संस्था के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा संहिता आसपास के सहयोगी एवं संस्था के पदाधिकारी उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग रहा। संस्था के सदस्य गोयल ने बताया समिति द्वारा ऐसे सामाजिक सहयोग कार्यक्रम पूर्व में भी लगातार आयोजित किए जाते रहे हैं। श्री श्याम सलोना सेवा समिति पिछले 25 वर्षों से गौ-सेवा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के कार्यों में निरंतर सेवा दे रही है।

जनप्रतिनिधि का एकमात्र लक्ष्य क्षेत्र का समग्र और संतुलित विकास करना- रामलाल शर्मा

चौमूँ (रॉयल पत्रिका) । ग्राम पंचायत जाटावाली में आज सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) से स्वीकृत मिसिंग लिंक सड़क के निर्माण कार्य का भव्य शुभारंभ हुआ, ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का अभिनंदन कर माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक शर्मा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जाटावाली खारवालो की ढाणी से मानपुरा माचेडी तक अनुमानित ₹45 लाख की लागत से बनने वाली इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन मे सुविधा मिलेगी। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद क्षेत्र में ढाणी-ढाणी, गाँव-गाँव तक बुनियादी सुविधाओं का समग्र विस्तार हुआ है । उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का एकमात्र लक्ष्य क्षेत्र का समग्र और संतुलित विकास करना है और आगे भी विकास की यह यात्रा अनवरत जारी रहेगी और क्षेत्र की जनता के प्रति हमेशा समर्पित रहेंगे। पूर्व विधायक शर्मा ने ग्रामवासियों द्वारा किए गए इस आत्मीय स्वागत सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा कि यह स्नेह और विश्वास ही मुझे क्षेत्र के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। 1200 मीटर लबाई की जाटावाली से मानपुरा सड़क का पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने स्वयं जेसीबी चलाकर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया, इस अवसर पर ग्रामवासियों में खुशी और उत्साह का माहौल नजर आया।

इस अवसर पर प्रधान रामस्वरूप यादव, जाटावाली चौकी इंचार्ज बाबूलाल मीणा, भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी एवं जमवारामगढ़ प्रभारी प्रकाश हाटवाल, पूर्व फल सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, पूर्व उपाध्यक्ष प्रतिनिधि बन्नालाल शर्मा, श्रीराम, मांगीलाल, जाटावाली सरपंच महावीर जांगिड़, कल्याण, कालूराम, कालूराम, शंकर हाटवाल, नन्छुराम हाटवाल, श्रवण जाट, बद्री, रामकिशोर शर्मा, महेंद्र कौशिक, रामकिशोर, जमन लाल, बाबूलाल पटेल, महेंद्र जाट, सूर्यप्रकाश जांगिड़, कमलेश जाट, गिरधारी जाट, दौलत, जीतू शर्मा, मुकेश यादव सरदार जाट सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

खोरी-अमरपुरा सड़क पर खड्डों का अंबार

-गारंटी अवधि होने पर भी संवेदक नहीं करवा रहा मरम्मत

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के नजदीक खोरी से अमरपुरा होते हुए शाहपुरा विराटनगर विधानसभा को जोडने वाली सड़क की खराब क्वालिटी का सामान उपयोग लेकर बनाई गयी डामरीकरण सड़क जगह-जगह खड्डो मे तब्दील हो गई है। स्थानीय ग्रामीणों ने सावर्जनिक विभाग को लगातार शिकायत के बाद भी मरम्मत नही करवाई जा रही है। ग्रामीण धर्मपाल यादव, कमलेश काकोडिया ने बताया कि खोरी से अमरपुरा सड़क करीब 4 किलोमीटर सड़क 58 लाख रूपये की लागत से निर्मित सड़क की डामरीकरण ऊखडने से खड्डो मे तब्दील हो गई है जिसके कारण मोटरसाइकिल सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाकर सात दिवस में सड़क मरम्मत ना करवाने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है। जानकारी के अनुसार सवेदक मैसर्स रामस्वरूप चौधरी जयपुर द्वारा वर्ष दिसंबर 2021 में सड़क का निर्माण करवाया था लेकिन उसके बाद दूसरे ही वर्ष सड़क टूट गयी थी जिसकी हमेशा बरसात बाद मरम्मत करवा दी जाती थी। लेकिन अबकि बार बरसात के बाद क्षेत्र मे लगभग सभी सड़कों में पेचवर्क कर खड्डो को बंद किया जाकर मार्ग सुगम किये जा रहे हैं लेकिन खोरी अमरपुरा सड़क की संवेदक द्वारा मरम्मत नही करवाया जा रहा है। लोगो ने आक्रोश जताते हुए तुरंत मरम्मत की मांग की है।

राज्य सड़क सुरक्षा दिवस एवं विश्व स्मृति दिवस मनाया गया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग शाहपुरा के जिला परिवहन अधिकारी यशपाल यादव के निर्देशन में 16 नवंबर 2025 को राज्य सड़क सुरक्षा दिवस एवं विश्व स्मृति दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थलों मनोहरपुर, शाहपुरा मंडी, अलवर तिराहा पर जनजागरण कार्यक्रम के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात के नियम समझाए गए एवं सड़क दुर्घटना में जो भी व्यक्ति का निधन हुआ है उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 का मौन रखा गया। कार्यक्रम में जिला परिवहन अधिकारी यशपाल यादव, परिवहन निरीक्षक बाबूलाल मीणा, भारतेंदु पचौरी एवं उड़न दस्ता कर्मी मौजूद रहे।

सड़क स्वीकृति पर ग्रामवासियों ने जताया पूर्व विधायक शर्मा का आभार

एहसान पठान

चौमूँ ((रॉयल पत्रिका) । ग्राम पंचायत जैतपुरा में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सड़क नवीनीकरण कार्य के लिए 132.30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत होने पर प्रशासक डॉ. सुरेश गुलिया के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर आभार व्यक्त किया। ग़ौरतलब है कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा ग्राम पंचायत जैतपुरा से ठेरक्या की ढाणी से होते हुए चिमनपुरा रोड तक (62.25 लाख) और सीकर रोड से आईटीआई कॉलेज से होते हुए झालरा की ढाणी की ओर (70.05 लाख) सड़क नवीनीकरण की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि ग्राम पंचायत की उक्त सड़को के नवीनीकरण से ग्रामीणों को सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों का स्वागत सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रशासक डॉ. सुरेश गुलिया, उपसरपंच बाबूलाल झाझड़ा, पूर्व उप सरपंच रामकिशोर यादव, बाबूलाल घोसल्या, नानूराम निठारवाल, नानूराम यादव, बाबूलाल यादव, गिरधारी जितरवाल, मनोज ठेराक्या, भागीरथ यादव, रामकरण निठारवाल, लालाराम यादव, सुशील झाझड़ा, बंशीधर यादव, भगवान सहाय यादव, सुरेश यादव सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रेहाना रियाज चिश्ती का चूरू पहुंचने पर हुआ जगह- जगह भव्य स्वागत

-अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव बनने पर पहली बार चूरू पहुंची

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर AICC राष्ट्रीय सचिव व महाराष्ट्र सह-प्रभारी बनने पर प्रथम बार चूरू आगमन पर रेहाना रियाज चिश्ती का कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान के नेतृत्व में युवा शक्ति ने राजकीय लोहिया महाविद्यालय के आगे स्वागत व अभिनंदन किया। इस दौरान महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता कपूरिया, एडवोकेट सुरेश कल्ला, अमीन खां , प्रदेश सचिव अनीश खान, मुबारिक भाटी , अमन दाधीच, मौसिम खान, शब्बीर खां , पूर्व पार्षद बाली बाई, मंडल अध्यक्ष नदीम राईन, छात्रनेता सोएब खान, संदीप बरोड़, आलोक खारड़िया, शर्मिला भाकर, एडवोकेट यूनुस खान , आवेश खिलजी, कर्ण सैनी, सुलेमान मनियार सहित सैंकड़ो युवाओं स्वागत किया। और शहर के सामाजिक संगठनों द्वारा एवं दक्षिण चूरू विकास समिति के नेतृत्व में प्रबुद्धजनों और युवा साथियों द्वारा सम्मान एवं अभिनन्दन कार्यक्रम रखा गया सम्मान समारोह में समिति के अध्यक्ष गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष धनराज न्योल, शीशराम कालेर, सुरेंद्र पेन्सिया, के.पी. गढ़वाल, पवन सैनी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शहर में जगह-जगह पर स्वागत किया गया।

आलीसर शिविर में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत बीमा पॉलिसी का वितरण

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । ग्राम पंचायत आलीसर पंचायत परिसर में शिविर के प्रभारी सूरजमल सांवरिया व हल्का के के गिरदावर मथुरा प्रसाद यादव की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन हुआ। इस मौके पर हल्क की गिरदावर यादव ने बताया कि शिविर में करीबन 15 विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। स्थानीय पशु चिकित्सालय के प्रभारी डॉ. विजय यादव एवं पशुधन निरीक्षक पूरणमल यादव ने पशुपालकों को एवं आयुर्वेद ग्रामीणों को विस्तार से बताते हुए कहा कि पशुपालन विभाग के द्वारा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की 81 पॉलिसी वितरित किए गए। इस मौके पर 200 पशुओं को खुरपका मुहपका रोग के बचाओ के लिए टीकाकरण किया गया। आलीसर के कृषि पर्यवेक्षक कृष्ण यादव ने सभी किसानों को विस्तार से समझाते हुए कहा कि इस शिविर में मिनी फव्वारा तथा शिविर में मिनी किट वितरण किया। साथ ही फसलों में लगने वाले रोगों के बारे में उपाय की जानकारी दी गई। शिविर में प्रशासक प्रभु नारायण यादव, ग्राम विकास अधिकारी दिनेश कुमार मीणा, एलडीसी बाबू ओम प्रकाश यादव, हल्का के पटवारी सुरेंद्र कुमार स्वामी ने भी भूमिहीनों को पट्टा वितरित किए गए। गोविंदगढ़ बाल विकास परियोजना के अधिकारी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर नगर निगम के द्वारा आयोजित किया जायेगा कल्चरल फेस्ट

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम जयपुर द्वारा 298वां जयपुर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कल्चरल फेस्ट का आयोजन किया जायेगा। जिसके अन्तर्गत सायं 6 बजे से स्टेच्यू सर्किल पर राजस्थानी सांस्कृतिक लोक कार्यक्रमों एवं आतिशबाजी कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसके अन्तर्गत घूमर, कालबेलिया, चरी नृत्य, भवई, मागणिआर, राजस्थानी लोकगीत, राजस्थानी लोकनृत्य आदि का आयोजन किया जायेगा।

उनको परखने दीजिए

मामलाते ज़िन्दगी निपटाने का फन आ गया
चाहे जो फिसलना उसको फिसलने दीजिए
अपने शऊर पे ज़रा सा एतमाद कीजिए
जिनको यक़ीं न हो उनको परखने दीजिए
दुनियां की लाइल्मी का कुछ मज़ा लीजिए
खुशबू है महकेगी इसको महकने दीजिए
मन्ज़रों में भी क्यों मन्ज़र तलाशते हो
अब दिल की हवेली से दिल गुज़रने दीजिए
वो शख्स कहीं प्यासा मर ना गया हो
प्यार का मारा है उसे ना तड़पने दीजिए
खामोशी से ठुकराना फितरत में नहीं है
करता है जग में जाहिर तो करने दीजिए

-फ़ज़लुर्रहमान

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

Scan Here

-संपादक

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पृष्ठ एक का शेष....

राज्य सरकार जनजातीय विकास के लिए.....

जनजातीय बालिकाओं ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया देश का प्रतिनिधित्व-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। छात्रावासों में मैस भत्ता ढाई हजार से बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रतिमाह, खेल अकादमियों में मैस भत्ता 2 हजार 600 से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रति माह किया गया है। साथ ही, 232 नए मा-बाड़ी केंद्रों की स्थापना कर स्टाफ के मानदेय में दो वर्षों में लगातार 10-10 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की गई है। 8 लाख 39 हजार जनजाति किसानों को मुफ्त संकर मक्का बीज वितरण किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में जनजाति कृषकों को 2 लाख 36 हजार मिनिकिट वितरित किए गए हैं। प्रदेश के 9 जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों का गठन कर डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत लगभग 5 हजार जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि तृतीय राष्ट्रीय लेक्रोस चैंपियनशिप में राज्य के जनजातीय प्रतिभा के 55 खिलाड़ियों ने 6 वर्गों में 5 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक जीता है और लेक्रोस खेल में जनजातीय बालिकाओं ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एशियन चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व कर रजत पदक जीता है।

प्रधानमंत्री की पहल से जनजातीय समुदायों का हो रहा सामाजिक-आर्थिक विकास-

शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद दशकों तक जनजाति समाज के योगदान को वह सम्मान नहीं मिला, जिसका वह हकदार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 से हर वर्ष 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। उनकी यह पहल इन समुदायों के महान योगदान, बलिदान और गौरवशाली विरासत को सच्चा सम्मान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने "सबका साथ-सबका विकास" के मूलमंत्र के साथ जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा से जोड़कर उनका विकास करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्रधानमंत्री ने गत वर्ष 2 अक्टूबर को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया। इस अभियान के माध्यम से बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका जैसी कमियों को दूर कर जनजातीय समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी तरह पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) शुरू कर कमजोर जनजातीय समूहों का सामाजिक-आर्थिक विकास भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

शिक्षा दिवस पर मौलाना आजाद को याद किया गया, 10 शिक्षक सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा दिवस के अवसर पर मदरसा जामिया तय्यबा मेमोरियल स्कूल में एक समारोह का आयोजन किया गया। ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन के बैनर तले हुए इस कार्यक्रम में स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न मौलाना आजाद को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नजीफा जाहिद ने की और मंच संचालन जुनैद चौहान ने किया। इस मौके पर वक्ताओं ने मौलाना आजाद की जीवनी, उनकी शिक्षाओं और उपलब्धियों पर अपने विचार रखे। उन्होंने मौलाना आजाद को एक महान स्वतंत्रता सेनानी, कवि, लेखक, पत्रकार और आधुनिक शिक्षा का शिल्पकार बताया। समारोह में ऑल इंडिया आइडियल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष खालिद अख्तर, अमीन कायमखानी, डॉक्टर इस्माइल, हाजी नवाब अली, मंसूर आलम, उस्मान चौहान, अरशद वारसी, सव्वाम भाई और इंजीनियर आबिद समेत कई मेहमान मौजूद रहे। इस अवसर पर जामिया के डायरेक्टर कारी मोहम्मद इसहाक ने 10 शिक्षकों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए "बेस्ट टीचर अवार्ड" से सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में रजिया सुल्ताना, अनोखी मीणा, शगुफ्ता परवीन, मोहम्मद सोहेल, नुसरत, नाजिया, नसरीन और अय्यूब अली शामिल थे। सेमिनार में देश और मुस्लिम समाज की शैक्षिक समस्याओं पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और इसी के सहारे दुनिया में तरक्की की जा सकती है।

ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ सवाई माधोपुर इकाई का गठन

-महासचिव नईमुद्दीन आकिल ने पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ सवाई माधोपुर इकाई का शनिवार को एक बैठक के दौरान गठन किया गया । बैठक में प्रदेश महासचिव नईमुद्दीन आकिल, संयुक्त सचिव इकरामुल्लाह खान, राज्य परिषद सदस्य इकबाल अफरीदी तथा जयपुर शहर अध्यक्ष वसीम छीपा, महासचिव अब्दुल अंसार और कार्यकारिणी सदस्य मुदब्बीर खान ने भाग लिया । महासचिव नईमुद्दीन आकिल ने कार्यकारिणी पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई । कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से अध्यक्ष सलीम खान, उपाध्यक्ष अंसार खान एवं गुलफशा बानो तथा सचिव आमिर अली एडवोकेट, कोषाध्यक्ष आदिल अली पार्षद वार्ड 33, संयुक्त सचिव नन्हे मियां, सदस्यगण शबनम खान, तबस्सुम बानो, शमा बानो और फिरोज खान निर्विरोध निर्वाचित हुए। नवीन कार्यकारिणी को जयपुर में होने वाले आगामी राज्य स्तरीय सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आमंत्रित किया गया

दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहा इस्लाम!

-हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को लेकर रिसर्च रिपोर्ट में क्या खुलासा?

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों में इस्लाम धर्म को लेकर रिपोर्ट्स सामने आईं कि ये तेजी से दुनिया में फैल रहा है । इसको लेकर एक रिसर्च रिपोर्ट और सामने आई है । साल 2010 से 2020 के बीच Pew रिसर्च सेंटर ने एक रिसर्च कराई, जिसमें इस्लाम धर्म को लेकर एक खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक इस टाइम पीरियड के बीच मुसलमानों की आबादी 34 करोड़ 70 लाख ज्यादा हो गई है । इसी के साथ ईसाइयों की जनसंख्या में कमी देखने को मिली है । बता दें कि दुनिया में अभी भी सबसे ज्यादा आबादी मुस्लिमों की नहीं है ।

प्यू रिसर्च सेंटर ने किया शोध

सभी धर्मों की जनसंख्या को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर (वाशिंगटन डी.सी.) की एक रिसर्च सामने आई है । इसमें हिंदू, मुसलमान, ईसाई और बौध्द धर्म की आबादी के आंकड़े दिए गए हैं। इस रिसर्च में बताया गया कि 10 सालों में मुसलमानों की आबादी 34 करोड़ 70 लाख ज्यादा बढ़ गई है । यानि दुनियाभर में ये आबादी करीब 2 अरब तक है। वहीं कुल जनसंख्या की बात की जाए तो ये दुनिया की जनसख्या में 1.8 फीसदी बढ़कर 25.6 फीसदी तक बढ़ी है । रिपोर्ट में बताया गया कि मुस्लिमों में युवाओं की संख्या काफी ज्यादा है।

हिंदू और ईसाई धर्म में कितनी बढ़ोतरी?

प्यू रिसर्च में हिंदुओं की आबादी में बढ़ोतरी हुई है। दुनियाभर में हिंदू धर्म को मानने वाले 14.9 फीसदी हैं । इसी के साथ ये 4 नंबर पर है । 2010 से 20 के बीच इनकी आबादी खाड़ी और अफ्रीका में बढ़ी है । ये बढ़ोतरी 62 फीसदी बताई गई । इसके अलावा, ईसाइयों की संख्या में काफी गिरावट देखने को मिल रही है।

10 साल में ईसाइयों की आबादी 12 करोड़ 20 लाख तक बढ़ गई है। दुनिया में ईसाई धर्म के लोग 2.3 अरब हैं, जो कुल आबादी का 29 फीसदी हैं । इसी के साथ ये अभी भी दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला धर्म है । इसमें गिरावट इसलिए कही जा रही है, क्योंकि पहले ईसाई दुनिया की आबादी का 30.6 फीसदी थे।

एक तरफ बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों में गिरावट बताई गई है, तो दूसरी तरफ ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो किसी भी धर्म को नहीं मानते हैं। नास्तिक लोगों की संख्या 24.2 फीसदी बताई गई, जो पहले 23.3 फीसदी थी।

जेडीए द्वारा दस बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में निजी खातेदारी की करीब 10 बीघा कृषि भूमि पर फार्म हाउस योजना हेतु बनाई जा रही नवीन अवैध कॉलोनियों का पूर्णतः ध्वस्त किया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित दिल्ली रोड़, ग्राम सिंघवाना, जेडीए की फार्म हाउस योजना के पास, जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर फार्म हाउस योजना हेतु बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, बाउण्ड्रीवल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारम्भिक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 325 आज तक कुल 708 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनियॉ बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

ए. आर. वेलफेयर फाउंडेशन ने मजदूरों को सर्दियों के टोपे वितरित किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । ए. आर. वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से गरीब, मजदूर और बेलदारों को सर्दियों में ठंड से बचने के लिए टोपो (सिर पर पहनने के लिए) का वितरण किया गया । फाउंडेशन के अध्यक्ष आईएएस (रिटायर्ड) ए. आर. खान ने बताया कि सर्दियों में दिहाड़ी मजदूरों को सुबह-सुबह काम करने के लिए रोजाना जाना पड़ता है । टोपा पहनने से इनको सर्दी कम लगेगी । खान ने बताया कि इस अवसर पर एसएमएस हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक विभाग के पूर्व अध्यक्ष और हैड डॉ. वी. के. पांडे, सामाजिक कार्यकर्ता कंवलजीत सिंह, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल पोखरना एवं हरमनप्रीत आदि गणमान्य लोग मौजूद थे । ए. आर. फाउंडेशन अक्सर गरीब बच्चों, मजदूरों एवं महिलाओं की मदद का काम करता रहता है।

"सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना" विषय पर राज्य एवं जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत देशभर में मनाये जा रहे 72वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह के तहत राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड द्वारा रविवार को "सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना" विषय पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट ने की। जाट ने सहकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं और केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता पर वर्तमान सरकार का विशेष रूप से फोकस है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए राज्य में सहकारिता सेक्टर को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को और मजबूती दें, इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था भी अधिक मजबूत होगी। राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के प्रबंध निदेशक जितेंद्र प्रसाद ने इस अवसर पर विषय की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाने में राज्य सरकार की दीर्घकालीन कृषि एवं गैर-कृषि ऋणों पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। राज्य सरकार ने 400 करोड़ रुपये का दीर्घकालीन ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास में भूमि विकास बैंकों की महती भूमिका रही है। विगत कुछ वर्षों से कमजोर होती जा रही भूमि विकास बैंकों की स्थिति को मजबूत करने एवं किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा लाई गई एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है।

अपेक्स बैंक के प्रबंध निदेशक संजय पाठक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला तथा राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं पर भी प्रकाश डालते हुए उन्हें समुचित रूप से क्रियान्वित करने का आव्हान किया। राजस्थान राज्य सहकारी संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंदर सिंह ने सहकारिता में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि बिना लोकतांत्रिक व्यवस्था के सहकारिता के सिद्धांतों पर काम करना कठिन है। सहकारिता का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था से ही सुचारू रूप से संभव हो सकता है। उन्होंने वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के दीर्घकालीन साख सेक्टर की मजबूत हो रही स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के लिए लाई गई एकमुश्त समझौता योजना के सफल क्रियान्वयन से इन बैंकों का पुनरुद्धार संभव हो सकेगा। कार्यक्रम में विभिन्न प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के अध्यक्षों सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। संबंधित प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों द्वारा रविवार को विभिन्न जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

लोहार समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

-73 जोड़ों का 8 काजियों की मौजूदगी में निकाह हुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लोहार पंचायत की ओर से जयपुर में एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जो सामाजिक एकता की मिसाल बन गया। इस विशाल आयोजन में एक ही मंच पर 73 जोड़ों ने निकाह पढ़कर अपने नए खुशियों भरे सफर की शुरुआत की। समारोह में 8 काजियों की मौजूदगी में निकाह की रस्में अदा की गईं। यह आयोजन ऐतिहासिक बन गया, जिसमें समाज के हजारों लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस भव्य सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए न केवल जयपुर, बल्कि देश और प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लोहार समाज का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम को सामाजिक एकता और सामूहिकता के एक अनूठे उदाहरण के तौर पर देखा जा रहा है। विवाह समारोह में समाज के सदस्यों के अलावा राजनीतिज्ञ, कार्यकर्ता एवं समाजसेवियों ने शिरकत की।

सांस्कृतिक महोत्सव के लिए तैयारियाँ तेज, कलाकारों में उत्साह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। घूमर फेस्टिवल 2025 का राज्यव्यापी आयोजन आगामी 19 नवम्बर को सभी संभागीय मुख्यालयों पर एक साथ किया जाएगा। जोधपुर में मुख्य कार्यक्रम राजकीय उम्मेद स्टेडियम में आयोजित होगा, जिसके लिए प्रशासन एवं पर्यटन विभाग द्वारा आवश्यक तैयारी कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पोस्टर विमोचन के साथ मिली आयोजन को नई गति—

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को जोधपुर प्रवास के दौरान घूमर फेस्टिवल 2025 के पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने फेस्टिवल की तैयारियों की विस्तृत जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शेखावत ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने का अवसर है तथा सभी आयु वर्ग की प्रतिभागियों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने भी आयोजन की आशातीत सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश अपनी कला और सांस्कृति के लिए विश्वविख्यात है और ऐसे आयोजन कला को नए मंच और अवसर देते हैं। इस अवसर पर श्रीमती कमलेश, क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय के उपनिदेशक भानूप्रताप, उपनिदेशक डॉ. सरिता फिड़ौदा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों का उत्साह चरम पर—

उल्लेखनीय है कि पर्यटन विभाग, जोधपुर द्वारा वर्तमान में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आरटीडीसी होटल घूमर में विशेष घूमर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागी उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं। अनुभवी कोरियोग्राफरों द्वारा प्रतिभागियों को घूमर के पारंपरिक एवं प्रस्तुति-आधारित स्टेप का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। घूमर फेस्टिवल की जोधपुर प्रभारी श्रीमती सोनिया रामचंदानी ने कार्यशाला का निरीक्षण कर प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता का अवलोकन किया।

हमारी ख़्वाहिश एनजीओ की रेहाना पठान को राष्ट्रीय स्तर पर लखनऊ में सम्मानित किया गया

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के राजगढ़ तहसील से हमारी ख्वाहिश एनजीओ की रेहाना पठान को राष्ट्रीय स्तर पुरस्कार से सम्मानित किया गया उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एसोसिएशन मुस्लिम प्रोफेशनल द्वारा राष्ट्रीय स्तर के सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मौलाना खालिद रशीदी फिरंगी महल लखनवी और अध्यक्ष आमीर एवं प्रमुख ए फारूकी सिद्दीकी और मिर्जा मोबिन आदि रोनके स्टेज रहे । समारोह में भारत के अलग-अलग राज्य से आए हुए सभी एनजीओ को सम्मानित किया गया रिहाना पठान ने बताया कि यह संगठन भारतवर्ष में मुस्लिम पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करता है और समुदाय में शांति और प्रकृति को बढ़ावा देने के लिए जो कार्य करते हैं उन्हें सम्मानित करता है। राजस्थान से हमारे संगठन को सम्मानित किया गया। यह हमारे लिए गौरवानित है।

हर चिकित्सा संस्थान मानकों पर उतरे खरा- चिकित्सा मंत्री

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खीवसर ने कहा है कि प्रदेश के हर व्यक्ति को सुगमता के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए चिकित्सा संस्थानों में इंडियन पब्लिक हैल्थ स्टेण्डर्ड की पालना सुनिश्चित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि प्रदेश का हर चिकित्सा संस्थान स्वास्थ्य मानकों पर खरा उतरे, इसके लिए मिशन मोड में निरीक्षण कर अस्पतालों में व्यापक स्तर पर सुधार किए जा रहे हैं। चिकित्सा मंत्री शुक्रवार को सवाई माधोपुर में जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने वहां जांच, दवा एवं उपचार व्यवस्था, स्वच्छता प्रबंधन और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का गहन निरीक्षण किया। चिकित्सा मंत्री ने अस्पताल के मुख्य भवन में ट्रोमा वार्ड, आईसीयू और विभिन्न यूनिटों का निरीक्षण कर वहां उपचार सुविधाओं को देखा। उन्होंने उपकरणों की क्रियाशीलता भी जांची। चिकित्सा मंत्री ने मरीजों से सीधे संवाद कर अस्पताल में उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का फीडबैक लिया। बुजुर्गों के लिए बनाए गए रामाश्रय वार्ड में भर्ती वरिष्ठ नागरिकों से उनकी कुशलक्षेम पूछी। खींवसर ने ड्रग स्टोर में दवाओं की उपलब्धता, भंडारण और वितरण की स्थिति की जानकारी ली। चिकित्सा मंत्री ने अस्पताल की आंतरिक सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन बाहरी परिसर में सफाई व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। बायोमेडिकल वेस्ट का नियमानुसार डिस्पोजल हो और भवन साफ-सुथरा रहे ताकि किसी को संक्रमण का खतरा नहीं हो। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेजराम मीणा को निर्देश दिए कि सफाई करने वाली फर्म के तत्काल सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए पाबंद करें।

नगर निगम ने बेघर, आश्रयहीन लोगों के लिये सर्दी से बचाव हेतु शुरू किये अस्थायी रैन बसेरे

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नगर निगम जयपुर क्षेत्र में बेघर, अनाथ आश्रयहीन लोगों को सर्दी से बचाव हेतु आश्रय प्रदान करने के लिए नगर निगम द्वारा कुल 14 स्थानों पर अस्थाई आश्रय स्थल (रैन बसेरा) बनाए गए हैं। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि सर्दी के प्रारंभ को देखते हुये 15 नवंबर से अस्थायी आश्रय स्थल शुरू कर दिये गये हैं । शेष आश्रय स्थल 1 दिसंबर से प्रारंभ कर दिये जायेंगे। संबंधित जोन उपायुक्त अस्थायी एवं स्थायी आश्रय स्थलों के प्रभारी होंगे। इन रैन बसेरों के अंतर्गत 1. आदर्श नगर जोन में ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के नीचे, 2. सिविल लाइन जोन में खासा कोठी पुलिया के नीचे, 3. सिविल लाइन जोन परमानंद हॉल सहकर मार्ग सी स्कीम, 4. सिविल लाइन जोन में हसनपुरा पुलिया के नीचे एवं 5. स्टेट कैंसर संस्थान प्रताप नगर सांगानेर जोन, 6. रामनिवास बाग के पीछे सुलभ शौचालय के पास मालवीय नगर जोन, इन स्थानों पर बनाये गये रैन बसेरे 15 नवंबर से प्रारंभ हो गए हैं। इसके अतिरिक्त मालवीय नगर जोन के जेके लोन अस्पताल गेट के पास, गांधीनगर रेलवे स्टेशन के सामने, महारानी फार्म पुलिया के नीचे मानसरोवर जोन, विद्याधर नगर सै. 6 एच.पी. पेट्रोल पंप के पास मुरलीपुरा जोन, 200 फीट बाईपास दिल्ली अजमेर रोड झोटवाड़ा जोन, जी.टी. पुलिया के नीचे मालवीय नगर जोन, सांगानेर पुलिया के नीचे जगतपुरा जोन, गोपालपुरा पुलिया त्रिवेणी नगर के नीचे मानसरोवर जोन में रैन बसेरे एक दिसंबर से प्रारंभ किए जाएंगे।

12 स्थायी आश्रय स्थलों का संचालन भी किया जा रहा है-

इसके अतिरिक्त 12 स्थाई आश्रय स्थलों का संचालन भी नगर निगम जयपुर द्वारा किया जा रहा है जिसके अंतर्गत 1. गांधी घर, बांगड अस्पताल परिसर में जेएलएन रोड़ पर, 2. लालकोठी महिला छात्रावास के पीछे पुलिस मुख्यालय के पास, 3. स्टेडियम रोड़, सांगानेर स्थित नगर निगम का पुराना भवन, 4. थड़ी मार्केट, हाजरीगाह परिसर, 5. जगतपुरा रेलवे स्टेशन, 6.पुराना पंचायत भवन भांकरोटा, 7.झालाना बाईपास, 8.शहीद भगत सिंह पार्क, वृद्धाश्रम, आदर्श नगर जोन, 9.रेल्वे स्टेशन के पास रैन बसेरा सिविल लाईन जोन, 10.दूध मण्डी, पानीपेच तिराहा (ट्रांसजेन्डर हेतु आरक्षित) सिविल लाईन जोन, 11.नगर निगम विद्याधर नगर जोन का पुराना भवन शास्त्री नगर सिविल लाईन जोन एवं 12. गोविन्द देव जी मन्दिर के पास जनता मार्केट के पास हवामहल-आमेर जोन सहित कुल 12 स्थायी आश्रय स्थल संचालित है।

ये होगी व्यवस्थाऐं-

1. अस्थायी आश्रय स्थलों में 24 घंटे गार्ड की व्यवस्था साथ ही ठहरने वाले व्यक्तियों का रिकॉर्ड संधारित करना। 2. अलाव एवं लकड़ी की व्यवस्था। 3. सेनेटाईजर, अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता। 4. आवश्यकतानुसार चल शौचालय की व्यवस्था। 5. शुद्ध पेयजल की व्यवस्था। 6. मेटिंग रजाईयों की व्यवस्था। 7. कचरा पात्र की व्यवस्था।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

बांग्लादेश में पाकिस्तान का बढ़ता दखल !

भारत का कभी घनिष्ठ मित्र और भारत के सहयोग से आजाद देश बना बांग्लादेश अब पाकिस्तान की गिरफ्त में आता दिखाई दे रहा है। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री की कूटनीति एवं सैन्य मदद से बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करवाया गया था। पाकिस्तान के दो टूकड़े कर देना भारत के लिए एक बड़ी कुटनीतिक विजय थी। क्योंकि 1971 तक पाकिस्तान भारत से तीन युद्ध कर चुका था और भारत के लिए एक बड़ी परेशानी खड़ा करता रहता था। बांग्लादेश अलग होने के बाद एक लम्बे समय तक पाकिस्तान भारत से टकराने की हिम्मत नही कर पाया था। लेकिन कुछ वर्षों से पाकिस्तान की साजिशे भारत के खिलाफ फिर से चरम पर पहुंचती नजर आ रही है। इसका क्या कारणा है हो सकता है, समझने की जरूरत है। पहला भारत की विदेश नीति और आंतरिक नीति। जब से देश में भाजपा की सरकार बनी है भारत की विदेश नीति में स्पष्ट बदलाव आया है। भारत के विश्व के मुस्लिम देशों से इतने अच्छे सबंध नही रहे जितने कांग्रेस या पूर्ववर्ती सरकारों के समय में रहे थे। मोदी सरकार ने विचारधारा के चलते एक छोटे देश और मुस्लिम विरोधी देश इजराईल से घनिष्ठ संबंध बनाएं। दूसरी तरफ पड़ोसी मुस्लिम देश और दूसरे देशों से भी नजदीकिया कम होती दिखाई थी। बांग्लादेश और श्रीलंका में तख्तापलट और सरकारे बदलने के बाद यह देश चीन के नजदीक ज्यादा नजर आने लगे है। जबकि भारत के पड़ौसियों के साथ अच्छे रिश्ते रहना ज्यादा जरूरी है। बांग्लादेश से रिश्ते तो पूरी तरह बदले-बदले नजर आ रहे है। बांग्लादेश भारत दुश्मन देश पाकिस्तान की गोद में बैठने की शुरुआत कर चुका है। बांग्लादेश पाकिस्तान से सैन्य सामान और विमान भी खरीदने लगा है। बांग्लादेश में भारत विरोधियों का बोलबाला बढ़ रहा है। जो भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं है। अभी बांग्लादेश में पाकिस्तान के मौलानाओं का धार्मिक आयोजन हुआ जिसमे पाकिस्तान के सैकड़ो मौलानाओं ने भाग लिया और पाकिस्तान-बांग्लादेश की एकता का राग अलापा गया। बांग्लादेश में पाकिस्तानी मौलानाओं का यह सम्मेलन एक लम्बे अर्से के बाद हुआ है। बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बांग्लादेश को भारत से दूर ले जाना चाहते है और पाकिस्तान एवं चीन से नजदीकी बढ़ा रहे है। वैसे तो भारत एक शक्तिशाली देश है और मजबूत हाथों में भारत की बागडौर है। फिर भी बांग्लादेश को पाकिस्तान और चीन की गोदी में जाने से रोकूना चाहिए। क्योंकि पाकिस्तान साजिश करने वाला देश है। बांग्लादेश से मिलकर वह बड़ी साजिश करके भारत को नुकसान पहुंचा सकता है।

जवाहर लाल नेहरू, देश के प्रथम प्रधानमंत्री, जिन्हें नन्हे बच्चों और गुलाब से बेहद प्यार था

14 नवंबर जन्म दिवस पर विशेष.....

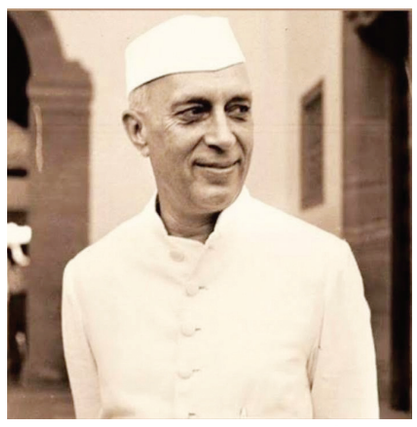

पंडित जवाहर लाल नेहरू का जीवन भारतीय राजनीति, स्वतंत्रता आंदोलन और आधुनिक भारत के निर्माण का प्रेरणादायक संगम है। वे एक दूरदर्शी नेता, नि:स्वार्थ क्रांतिकारी, लेखक, और बच्चों के चहेते 'चाचा नेहरू' के रूप में विश्व विख्यात हुए। उनका जीवन संघर्ष, विचार और सेवा के लिए अमर प्रतीक बन गया है। प्रारंभिक जीवन और परिवार पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर1889 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज), उत्तर प्रदेश में एक समृद्ध कश्मीरी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू विख्यात वकील, राजनयिक और स्वतंत्रता सेनानी थे तथा माता स्वरूपरानी एक शिक्षित और प्रबुद्ध महिला थीं। नेहरूजी के परिवार का भारतीय समाज एवं राजनीति में विशिष्ट स्थान था, जिसने उनके प्रारंभिक दृष्टिकोण, मूल्य और सक्रियता को दिशा दी। जवाहर लाल नेहरू की प्रारंभिक शिक्षा घर पर निजी शिक्षकों द्वारा हुई। उच्च शिक्षा के लिए उन्हें हैरो और ईटन जैसे इंग्लैंड के प्रतिष्ठित स्कूल भेजा गया। उसके बाद वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक हुए और फिर इंग्लैंड में 'इनर टेम्पल' से कानून की पढ़ाई पूरी की। 1912 में वकालत शुरू करने के साथ साथ वे भारतीय राजनीति में सक्रिय हो गए। नेहरूजी का बौद्धिक दृष्टिकोण पश्चिमी शिक्षा और विज्ञान, भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं ऐतिहासिक संघर्ष से बना। उनकी सोच में तर्क, विश्लेषण और मानवता के लिए विशेष स्थान था, जिसे आगे चलकर उनकी नीतियों में देखा गया।

पंडित जवाहर लाल नेहरू हमेशा स्वतंत्रता, न्याय, और सामाजिक समता के पक्षधर रहे। 1916 में वे पहली बार महात्मा गांधी से मिले और उनसे अत्यधिक प्रभावित हुए। इसके बाद नेहरू पूरी तल्लीनता से स्वतंत्रता संग्राम में जुड़ गए। 1919 में वे इलाहाबाद के होम रूल लीग के सचिव बने। उन्होंने असहयोग आंदोलन, स्वराज आंदोलन, किसानों के मार्च, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन जैसे कई आंदोलनों का नेतृत्व किया। वे सिपाही, सुझावकर्ता और वक्ता के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अहम स्तंभ बने। आंदोलन में भाग लेने के चलते उन्हें लगभग नौ बार जेल जाना पड़ा, परंतु उन्होंने कभी हार नहीं मानी। 1928 में साइमन कमीशन के विरोध के दौरान वे घायल हुए और 1930 के नमक आंदोलन में गिरफ्तार होकर छह माह जेल में रहे। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में पुनः जेल गए और अहमदनगर जेल में रहे।

1947 में भारत के स्वतंत्र होने के बाद नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने। उन्होंने 1947 से 1964 तक प्रधानमंत्री पद संभाला। उनके नेतृत्व में भारत ने लोकतंत्र की मजबूत नींव, औद्योगीकरण, पंचवर्षीय योजनाओं, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा, पंचशील और गुट निरपेक्षता जैसी वैश्विक नीतियों को अपनाया। उन्होंने नए भारत के निर्माण के लिए हरित क्रांति, भाखड़ा नांगल बांध, आईआईटी, एम्स, अनुसंधान संस्थानों, तथा वैज्ञानिक सोच को राष्ट्रीय नीति का आधार बनाया। देशी रियासतों का एकीकरण, महिला सशक्तिकरण, बच्चा नीति और सामाजिक समता के लिए उन्होंने बहुपक्षीय प्रयास किए।

नेहरूजी आदर्शवादी समाजवादी विचारधारा के पक्षधर थे। वे मानवता, धर्म-निरपेक्षता, जनकल्याण, और विश्व शांति के समर्थक थे। विदेश नीति में गुट-निरपेक्ष आंदोलन के सूत्रपात के कारण उन्होंने भारत को वैश्विक मंच पर अलग पहचान दिलाई। जेल प्रवास के दौरान उन्होंने प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं, जिसमें 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया', 'ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' और 'टूवर्ड फ्रीडम' उल्लेखनीय हैं। उनका साहित्यिक योगदान भारतीय इतिहास, राजनीति और संस्कृति को समझने का सशक्त माध्यम है।

नेहरूजी को बच्चों से अत्यधिक प्रेम था। उनका मानना था कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके जन्म दिवस 14 नवंबर को पूरे देश में 'बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 27 मई 1964 को जवाहर लाल नेहरू का निधन हुआ। उनकी मृत्यु पर समस्त देश और विश्व समुदाय ने अपूरणीय क्षति अनुभव की। नेहरू की विरासत भारत की राजनीति, समाज, शिक्षा, और लोकतांत्रिक मूल्यों में आज भी जीवित है। उन्होंने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी, जहाँ सांप्रदायिकता, जातिवाद और अशिक्षा के स्थान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समानता और शांति का वास हो। पंडित जवाहरलाल नेहरू की जीवनी देश के नव निर्माण का जीवंत दस्तावेज है। उनका जीवन त्याग, सेवा, संघर्ष और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने भारतीय समाज को सोचने, आगे बढ़ने और वैश्विक दिशा देने की प्रेरणा दी। उनकी वैचारिक विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी। उनकी दूरदर्शिता, कूटनीति, और बच्चों के प्रति प्रेम के कारण वे हमेशा 'चाचा नेहरू' के रूप में शाश्वत स्मृति-पटल पर अंकित रहेंगे।

मोहम्मद नासिर हुसैन खान

फिल्म निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक

16 नवंबर 1926 - 13 मार्च 2002

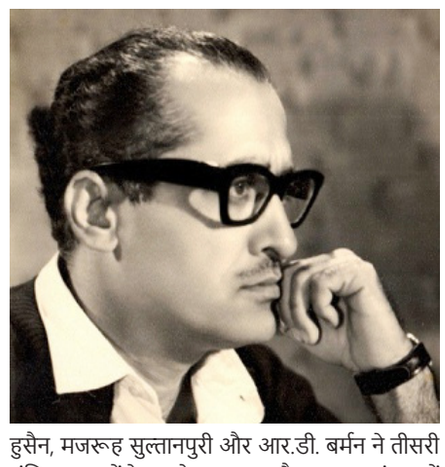

जिन्हें नासिर हुसैन के नाम से बेहतर जाना जाता है, एक भारतीय फिल्म निर्माता, फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक थे। दशकों के करियर के साथ हुसैन को हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक प्रमुख ट्रेंडसेटर के रूप में श्रेय दिया गया है । उदाहरण के लिए उन्होंने यादों की बारात (1973) का निर्देशन किया, जिसने हिंदी भाषा की मसाला फिल्म शैली बनाई जिसने 1970 और 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा को परिभाषित किया और उन्होंने कयामत से कयामत तक (1988) लिखी और निर्मित की । जिसने हिंदी भाषा का संगीतमय रोमांस खाका तैयार किया जिसने 1990 के दशक में हिंदी सिनेमा को परिभाषित किया। हुसैन का जन्म भोपाल राज्य में 16 नवंबर 1926 को जाफर हुसैन खान के घर हुआ था, जो एक स्कूल शिक्षक थे और पश्तून वंश के एक ज़मींदार परिवार से थे और आमना, जिनकी अरब जड़ें जेद्दा (आधुनिक सऊदी अरब) में थीं और मौलाना आज़ाद की भतीजी थीं और वह पाँच बच्चों में से चौथे थे । सबसे छोटे ताहिर हुसैन थे, जो आमिर खान के पिता थे । उन्होंने आयशा खान से शादी की, जो उनसे पहले ही चल बसीं। उनके बेटे मंसूर खान एक पूर्व फिल्म निर्देशक और निर्माता हैं, जिनकी बेटी अभिनेत्री ज़ैन मैरी खान हैं । यह दंपति पूर्व फिल्म अभिनेता इमरान खान के नाना-नानी हैं । हुसैन ने पहली बार क़मर जलालाबादी के साथ काम किया । जब वे 1948 में फ़िल्मिस्तान में एक लेखक के रूप में शामिल हुए। फ़िल्मिस्तान के लिए उनकी लिखी प्रसिद्ध फ़िल्मों में अनारकली (1953), मुनीमजी (1955) और पेइंग गेस्ट (1957) शामिल हैं। फ़िल्मिस्तान, बॉम्बे टॉकीज़ से अलग हुआ एक स्टूडियो था; इसने मध्यम बजट के फ़ॉर्मूला प्रोडक्शन का इस्तेमाल किया और स्टार वैल्यू और संगीत के दम पर फ़िल्में बेचीं। शशधर मुखर्जी इस अलग हुए स्टूडियो का हिस्सा थे और उन्होंने हुसैन को "तुमसा नहीं देखा" निर्देशित करने का काम दिया। इस फ़िल्म ने शम्मी कपूर को स्टार बना दिया । कपूर और हुसैन ने फिल्मिस्तान से अलग हुए समूह फिल्मालय के लिए एक और हिट फिल्म दिल देके देखो (1959) बनाई। इस फिल्म से आशा पारेख की शुरुआत हुई, जो कारवां (1971) तक हुसैन की सभी फिल्मों में मुख्य भूमिका में रहीं । वह उनके साथ लंबे समय तक रोमांटिक रिश्ते में भी रहे । लेकिन यह रिश्ता खत्म हो गया, क्योंकि वह पहले से ही एक शादीशुदा आदमी थे और उनके दो बच्चे थे, और पारेख नहीं चाहती थी कि उन पर घर तोड़ने वाला होने का ठप्पा लगे। हुसैन की पत्नी मार्गरेट फ्रांसिना लुईस थीं, जो एक सहायक कोरियोग्राफर थीं, जिनसे उनकी मुलाकात फिल्मिस्तान में हुई थी। उन्होंने शादी की और फिर अपना नाम बदलकर आयशा खान रख लिया। उन्होंने उनके कुछ प्रोडक्शन में सहायक कोरियोग्राफर के रूप में काम किया। इसके बाद हुसैन ने नासिर हुसैन फिल्म्स की स्थापना की और निर्माता-निर्देशक बन गए। उन्होंने जब प्यार किसी से होता है (1961), फिर वही दिल लाया हूं (1963), तीसरी मंजिल (1966), बहारों के सपने (1967), प्यार का मौसम (1969), कारवां (1971), यादों की बारात (1973) और हम किसी से कम नहीं (1977) जैसी म्यूजिकल हिट फिल्में दीं।

हुसैन, मजरूह सुल्तानपुरी और आर.डी. बर्मन ने तीसरी मंजिल , बहारों के सपने , प्यार का मौसम , कारवां , यादों की बारात और हम किसी से कम नहीं में सहयोग किया । हुसैन ने संगीतमय हिट फिल्म तीसरी मंजिल लिखी और उसका निर्माण किया । विजय आनंद ने इस फिल्म का निर्देशन किया, जिसमें हुसैन के नियमित कलाकार शम्मी कपूर और आशा पारेख ने अभिनय किया था। मूल रूप से देव आनंद को फिल्म के लिए साइन किया गया था, लेकिन हुसैन के साथ मतभेदों के कारण उन्होंने इसे छोड़ दिया और कपूर को कास्ट किया गया। उन्होंने पहली बार आर. डी. बर्मन को गाने ("ओ हसीना जुल्फोंवाली", "ओ मेरे सोना रे", "दीवाना मुझसा नहीं", "तुमने मुझे देखा", "आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा") की रचना के लिए भी काम पर रखा। गानों के सदा बहार हिट होने के बाद बर्मन ने अगले 19 वर्षों तक हुसैन की सभी फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया, जिसका अंत ज़बरदस्त (1985) के साथ हुआ। हुसैन की "यादों की बारात" सलीम-जावेद द्वारा लिखी गई थी, जिन्होंने उसी साल "ज़ंजीर" भी लिखी थी । दोनों ही फ़िल्मों में नायक अपने पिता की मौत का बदला लेने की चाहत रखता है, और दोनों में अजीत खलनायक की भूमिका में हैं। "यादों की बारात" को पहली मसाला फ़िल्म माना जाता है । जैसे ही जमाने को दिखाना है (1981), मंजिल मंजिल (1984) और ज़बरदस्त (1985) फ्लॉप हो गईं, हुसैन के बेटे मंसूर ने नासिर हुसैन फिल्म्स की कमान संभाली, हालांकि हुसैन ने कयामत से कयामत तक (1988) और जो जीता वही सिकंदर (1992) जैसी फिल्मों के लिए स्क्रिप्ट और संवाद लिखना जारी रखा। कयामत से कयामत तक में उन्होंने अपने भतीजे आमिर खान को हीरो के तौर पर पेश किया। कयामत से कयामत तक हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक मील का पत्थर थी, जिसने हिंदी भाषा की संगीतमय रोमांस फिल्मों के लिए खाका तैयार किया, जिसने 1990 के दशक में हिंदी सिनेमा को परिभाषित किया। हुसैन को हिंदी सिनेमा में उनके योगदान के लिए 1996 में विशेष फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। हुसैन का 13 मार्च 2002 को दिल का दौरा पड़ने से मुंबई में निधन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद आशा पारेख ने एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने उन्हें अपने जीवन के अंतिम वर्ष में नहीं देखा था, क्योंकि वह अपनी पत्नी की मृत्यु के कारण एकांतप्रिय हो गए थे।

वालिदेन की ख़िदमत:

जन्नत का दरवाज़ा

इस्लाम में वालिदैन को बहुत ऊँचा मक़ाम दिया गया है। अल्लाह तआला ने क़ुरान-ए-पाक में कई जगहों पर अपनी इबादत के फ़ौरन बाद वालिदैन के साथ हुस्न-ए-सुलूक (अच्छा व्यवहार) करने का हुक्म दिया है। अल्लाह फ़रमाता है, "और तुम्हारे रब ने हुक्म दिया है कि उसके सिवा किसी की इबादत न करो और अपने माँ-बाप के साथ अच्छा सुलूक करो।" (सूरह अल-इस्रा: 23)

जब वालिदैन बुढ़ापे की दहलीज़ पर क़दम रखते हैं, तो वे जिस्मानी और जज़्बाती तौर पर कमज़ोर हो जाते हैं। ऐसे में उनकी देखभाल और ख़िदमत की ज़िम्मेदारी औलाद पर और भी बढ़ जाती है। क़ुरान उन्हें "उफ़" तक कहने से मना करता है, जो नापसंदगी की सबसे छोटी अलामत है। उनके सामने आजिज़ी और नरमी से पेश आने और उनके लिए अल्लाह से रहमत की दुआ करने का हुक्म दिया गया है।

नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने माँ के क़दमों तले जन्नत और बाप को जन्नत का दरवाज़ा क़रार दिया है। इसका मतलब यह है कि उनकी रज़ामंदी और ख़िदमत करके ही औलाद अल्लाह की रज़ा और जन्नत हासिल कर सकती है। उनकी ज़रूरतों को पूरा करना, उनकी बातों को सब्र से सुनना और उनके साथ वक़्त गुज़ारना सिर्फ़ एक ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि एक इबादत है। जो लोग अपने बूढ़े वालिदैन की ख़िदमत से ग़ाफ़िल हो जाते हैं, वे दुनिया और आख़िरत में बड़े ख़सारे (घाटे) में रहते हैं।

सास-बहू: एक ख़ूबसूरत रिश्ते की बुनियाद

इस्लाम में वालिदैन को बहुत ऊँचा मक़ाम दिया गया है। अल्लाह तआला ने क़ुरान-ए-पाक में कई जगहों पर अपनी इबादत के फ़ौरन बाद वालिदैन के साथ हुस्न-ए-सुलूक (अच्छा व्यवहार) करने का हुक्म दिया है। अल्लाह फ़रमाता है, "और तुम्हारे रब ने हुक्म दिया है कि उसके सिवा किसी की इबादत न करो और अपने माँ-बाप के साथ अच्छा सुलूक करो।" (सूरह अल-इस्रा: 23)

जब वालिदैन बुढ़ापे की दहलीज़ पर क़दम रखते हैं, तो वे जिस्मानी और जज़्बाती तौर पर कमज़ोर हो जाते हैं। ऐसे में उनकी देखभाल और ख़िदमत की ज़िम्मेदारी औलाद पर और भी बढ़ जाती है। क़ुरान उन्हें "उफ़" तक कहने से मना करता है, जो नापसंदगी की सबसे छोटी अलामत है। उनके सामने आजिज़ी और नरमी से पेश आने और उनके लिए अल्लाह से रहमत की दुआ करने का हुक्म दिया गया है।

नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने माँ के क़दमों तले जन्नत और बाप को जन्नत का दरवाज़ा क़रार दिया है। इसका मतलब यह है कि उनकी रज़ामंदी और ख़िदमत करके ही औलाद अल्लाह की रज़ा और जन्नत हासिल कर सकती है। उनकी ज़रूरतों को पूरा करना, उनकी बातों को सब्र से सुनना और उनके साथ वक़्त गुज़ारना सिर्फ़ एक ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि एक इबादत है। जो लोग अपने बूढ़े वालिदैन की ख़िदमत से ग़ाफ़िल हो जाते हैं, वे दुनिया और आख़िरत में बड़े ख़सारे (घाटे) में रहते हैं।

अल्लाह तआला का वजूद (होना)

अल्लाह तआला के वजूद यानि वोह है कि नहीं इसके बारे में तीन तरह के लोग अपनी-अपनी राय अलग-अलग रखते हैं और उस राय को अपनी जिंदगी का एक अहम जुज़ व हासिल समझते हैं और अपने इस अक़ीदे को सही मानते हैं और दूसरे फरीकों अकीदों से इख्तेलाफ़ करते और उनको गलत ठहराते हैं।

1. पहला तबक़ा जिसकी तादाद दुनिया में सबसे ज्यादा है वोह अल्लाह तआला के वजूद और वहदानियत यानि यकता (अकेला) होने का कायल है। वोह मानता है कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, सिर्फ वोही इबादत के लायक है । वह सिर्फ उसी की इबादत करते हैं और उसी को इस तमाम कायनात का खालिक यानि पैदा करने वाला मानते हैं । इसी पर उनका ईमान है, ऐसे लोगों को अहले ईमान और मोमिन कहा जाता है

2. दूसरा तबका वो है जो जातेबारीतआला में दूसरे को शरीक करते हैं और कई खुदा मानते हैं और अलग मौकों पर अलग-अलग खुदाओं की पूजा व परस्तितिश करते हैं। इन्हें मुशरिक कहते हैं।

3. तीसरा तबका वोह है जो सिरे से ही अल्लाह तआला के होने का इनकार करते हैं। उनका मानना है कि इस कायनात को चलाने वाला कोई नहीं है, यह कायनात अपने आप बनी है । उनका मानना है कि अल्लाह है ही नहीं, जिन्हें हम काफ़िर या मुर्तद कहते हैं।

इमाम राज़ी रह. अ. ने "सूरत बकरा" जोकि कुरआन मजीद की सबसे बड़ी सूरत है उसकी एक आयत को लेकर अल्लाह की वहदानियत (एक होने) की दलील दी है । जिसका तर्जुमा है कि "जमीन और आसमान की अलग-अलग शक्लो सूरत, अलग-अलग रंग, अलग-अलग मिजाज और अलग-अलग नफा पहुंचाने वाली कुल चीज़ें और उनके अलग-अलग नफा या नुकसान पहुंचाना और खास हिकमत से होना इस बात का सबूत है कि इनके खालिक का वजूद और उसकी अजीमुशान कुदरत और हिकमत और जबरदस्त रौब व दबदबा" उसकी कुदरत का मिला और उसके वजूद को जाहिर करती है। तफसीर इबने कसीर में है कि एक बार किसी नदवी यानि खानाबदोश शख्स को निरा जाहिल था, उससे पूछा गया कि अल्लाह तआला के होने पर क्या दलील है तो उसने अरबी में जवाब दिया कि जिसका मतलब यह है कि मेंगनी से ऊंट मालूम हो सके और पांव के निशान को देखकर मालूम हो जाए कि कोई आदमी गया है तो क्या यह बुर्जों वाला आसमान, यह रास्तों वाली जमीन और मोजे व लहर वाले समन्दर अल्लाह तआला के बारीकी भी और हर चीज पर उसका इख्तियार और खबरदार होने पर दलील नहीं हो सकते।

हजरत इमाम मालिक रह. अलेह. से हारून रशीद बादशाह ने पूछा कि अल्लाह तआला के वजूद यानि उसकी होने की क्या दलील है ? इमाम मालिक रह.अलेह. ने फरमाया कि ज़बानों का जुदा-जुदा होना, आवाजों का अलग-अलग होना जैसा कि एक इंसान की आवाज दूसरे से नहीं मिलती है और इंसानों की शक्लों का उनके रंग का अलग-अलग होना और नगमों का अलग-अलग होना साबित करता है कि खुदा तआला का वजूद है।

हजरत इमाम अबू हनीफा रह. अलैह. से जब अल्लाह तआला के वजूद के बारे में सवाल किया गया तो आप जवाब देते हैं कि "छोड़ो मैं अभी किसी और सोच में हूं । लोगों ने मुझसे कहा कि एक बहुत बड़ी किश्ती है, जिसमें तरह-तरह की तिजारती बेश कीमती चीज़ें हैं, ना कोई उसका निगहबान है, ना चलाने वाला है बावजूद उसके वो किश्ती बराबर आ जा रही है और बड़ी-बड़ी मोजों को खुद चीरती फाड़ती गुजर जाती है, ठहरने की जगह ठहर जाती है, चलने की जगह चलती रहती है और ना कोई मल्लाह है और ना कोई मुन्तजिम" सवाल करने वाले देहरियों (काफिरों) ने कहा कि आप किस सोच में पड़ गए क्या कोई अकल वाला ऐसी बात कह सकता है कि इतनी बड़ी किश्ती निजाम के साथ तलातुम (तूफान) वाले समन्दर में खुद बखुद आए जाए और उसको चलाने वाला मल्लाह भी नहीं ? आपने फ़रमाया कि तुम्हारी अक्लों पर अफसोस है । तुम्हारी अकल में यह तो आ गया कि एक किश्ती बगैर चलने वाले के ना चल सके, मगर यह समझ में ना आया कि यह सारी दुनिया, आसमान और जमीन की सब चीज़ें ठीक-ठीक अपने-अपने काम पर लगी हुई हैं और इनको चलने वाला और इनका मालिक, हाकिम और पैदा करने वाला यानि खालिक कोई ना हो ? यह जवाब सुनकर वोह लोग हक्के-बक्के हो गए और हक़ बात मालूम होने के बाद ईमान में दाखिल हो गए यानि मुसलमान हो गए।

हजरत इमाम शाफयी रह. अ. से जब अल्लाह के वजूद पर सवाल किया गया तो आपने जवाब दिया कि "तूत के पत्ते एक जैसे ही हैं, एक ही ज़ायके के हैं। कीड़े और शहद की मक्खी और गायें और बकरियां, हिरण वगैरह सब इसको खाते और चरने लगते हैं, इसको खाकर कीड़े में से रेशम निकलता है, मक्खी शहद देती है, हिरण में मुश्क पैदा होता है और गाय बकरियां दूध और मेंगनियाँ देती हैं । क्या यह इस अम्र की साफ दलील नहीं कि एक पत्ते में यह अलग-अलग खासियत और चीज़ें पैदा करने वाला कोई है और उसी पैदा करने वाले को हम अल्लाह मानते हैं । वही पैदा करने वाला और तमाम कायनात का साने यानि बनाने वाला है।"

हजरत इमाम बिन हम्बल रह. अ. से जब अल्लाह के वजूद पर दलील तलब की गई तो आपने फ़रमाया "सुनो यहां एक मजबूत किला है, जिसमें कोई दरवाजा नहीं, ना कोई रास्ता है बल्कि सुराख तक नहीं, बाहर से चांदी की तरह चमक रहा है और अंदर से सोने की तरह दमक रहा है और ऊपर नीचे दाएं बाएं चारों तरफ से बिल्कुल बंद है हवा तक उसमें नहीं जा सकती । अचानक उसकी एक दीवार गिरती है और एक जानदार आंखों वाला, कानों वाला, बोलता चलता, खूबसूरत शक्ल और प्यारी बोली वाला चलता फिरता निकल आता है । कहो इस बंद और महफूज किले में इसे पैदा करने वाला कोई है या नहीं और वोह हस्ती इंसानी हस्तियों से बुलंद व बालातर है और उसकी कुदरत गैर महदूद है या नहीं" मतलब आपका यह था कि अंडे को देखी देखा जो चारों तरफ से बंद है फिर उसमें खालिके कायनात यानि अल्लाह जो यकता यानी तन्हा व अकेला है जानदार व शानदार बच्चा पैदा कर देता है यह दलील है खुदा के वजूद पर और उसकी तौहीद पर।

बुजुर्गों का मकुला है कि आसमानों को देखो, उनकी बुलंदी (ऊंचाई), उनकी बसअत (चौड़ाई) उनके छोटे-बड़े चमकीले और रोशन सितारों पर नजर डालो, उनके चमकने-दमकने, उनके चलने-फिरने और ठहर जाने, जाहिर होने और छुप जाने का मुताला करो। फिर समन्दर को देखो जो मोजें मारते हुए जमीन को घेरे हुए हैं, फिर ऊंचे-ऊंचे और नीचे मजबूत पहाड़ों को देखो जो जमीन में गड़े हुए हैं और जमीन को हिलने नहीं देते । उनके रंग, जिनकी सूरतें मुख्तलिफ हैं फिर किस्म-किस्म की और मखलूकात पर नजर डालो फिर इधर से उधर फिर जाने वाली खेतों और बागों का शादाब करने वाली खुशनुमा नहरों को देखो और बागों की सब्जियों और उनके तरह-तरह के फलों, फूलों और मजे-मजे के मेवों पर गौर करो। जमीन एक, पानी एक लेकिन शक्लें सूरतें और खुशबूएं, रंगत, ज़ायका और फायदा अलग-अलग। क्या यह तमाम मसनूआत तुम्हें नहीं बतातीं कि इनका साने यानि बनाने वाला कोई है ? क्या यह तमाम मौजूदात ब आवाज़े बुलंद तुम्हें कह रही हैं कि इनका मुजीद यानि बनाने वाला, ईजाद करने वाला कोई है ? क्या यह सारी मखलूक अपने खालिक की हस्ती, उसकी ज़ात और उसकी तोहिद पर दलालत नहीं करती ? यह है वोह दलाईल जो खुदाबंद तआला ने अपनी ज़ात के मनवाने के लिए हर निगाह के सामने कर रखे हैं जो उसकी जबरदस्त कुदरतों और उसकी पुरजोर हिकमतों, उसकी लाफ़ानी रहमतों, उसके बेनजीर इनामों, उसके लाजवाब एहसानों पर दलालत करने पर काफी वह दवाफी हैं।

अबू नवास से जब अल्लाह के वजूद पर सवाल किया गया तो आपने फरमाया "आसमान से बारिश का बरसाना और उससे दरख्तों का पैदा होना और उन हरी-हरी शाखों पर खुश जायका मेवों का लगना अल्लाह तआला के वजूद और उसके होने की दलील काफी है।"

इब्नूल मोतज़िल का कौल है कि "अफसोस अल्लाह तआला की नाफरमानी और उसकी ज़ात के झुठलाने पर लोग दिलेरी कर जाते हैं हालांकि हर चीज उस परवरदिगार की हस्ती और उसके लाशरीफ होने की गवाही देती है।" हमारा यह इकरार में अकीदा है कि उसके सिवा कोई माबूद नहीं । उसके सिवा इस तमाम कायनात को पालने पोसने और पैदा करने वाला व उसकी हिफाज़त करने वाला कोई दूसरा माबूद नहीं है । उसके सिवा कोई मस्जूदो शरीक नहीं। ए दुनिया के लोगों सुन रखो कि हमारा तवक्कुल और भरोसा उसी पर है। हमारी इल्तिज़ा उसी से है हमारे हाथ दुआ के लिए उसी के सामने उठते हैं। हमारा सजदा रेज़ होना, झुक्नो और पस्त होना उसी के सामने है। हमारी तमन्नाओं का मर्कज़ और हमारी उम्मीदों का सहारा व आसरा, हमारा पनाह लेने वाला लेने का ठिकाना बस अल्लाह तआला ही है। हम सबको उसी के दस्ते रहमत को तकते रहना चाहिए और हरकत हमको उसकी याद में मशगूल व मसरूफ रहना चाहिए। अल्लाह हम सब को अपने करम व फज़ल से उसको ज्यादा से ज्यादा याद करने की तौफीक अता फरमाए । आमीन

(माखूज़ इबने कसीर तफसीर)

हबीबुल्लाह, एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

बैंक ऑफ इंडिया में 115 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

बैंक ऑफ इंडिया ने स्पेशलिस्ट ऑफिसर के 115 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार 17 नवंबर से ऑफिशियल वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू:
17 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार बी.ई/बीटेक/एमसीए/एमएससी/ग्रेजुएशन/पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री।
Oracle सर्टिफिकेट और Oracle सर्टिफाइड प्रोफेशनल सर्टिफिकेट होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 45 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू

सैलरी :
सीनियर मैनेजमेंट ग्रेड स्केल-4 : 10,2300 - 1,20,940 रुपए प्रतिमाह
मिडिल मैनेजमेंट ग्रेड स्केल-3 : 85920 - 1,05,280 रुपए प्रतिमाह
मिडिल मैनेजमेंट ग्रेड स्केल-2 : 64,820 - 93,960 रुपए प्रतिमाह

फीस :
एससी/एसटी पीडब्ल्यूबीडी : 175 रुपए
सामान्य, अन्य : 850 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट Bankofindia.co.in पर जाएं।
होमपेज पर करियर टैब पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन के लिए आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म भरें।
फीस का भुगतान करके फॉर्म सब्मिट कर दें।
आगे की जरूरत के लिए प्रिंटआउट लेकर रखें।

RITES में 252 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राइट्स लिमिटेड ने अप्रेंटिस के 252 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार राइट्स की ऑफिशियल वेबसाइट rites.com पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
17 नवंबर से 05 दिसंबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस :
उम्मीदवारों के पास चार साल की इंजीनियरिंग डिग्री (BE / B.Tech / B.Arch) होनी चाहिए।
बीए, बीबीए, बी.कॉम, बी.एससी या बीसीए डिग्री होल्डर भी आवेदन कर सकते हैं।

डिप्लोमा अप्रेंटिस :
तीन वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा होल्डर आवेदन कर सकते हैं।

ट्रेड अपरेंटिस:
उम्मीदवारों को ।TI पास-आउट होना चाहिए।

एज लिमिट :
17 नवंबर 2025 तक न्यूनतम उम्र 18 साल

कट ऑफ :
सामान्य/ईडब्ल्यूएस : 60%
ए स सी / ए स टी / ओ बी सी (एनसीएल)/पीडब्ल्यूबीडी : 50%

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर

स्टाइपेंड :
पद के अनुसार 10,000 - 14,000 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
राइट्स की ऑफिशियल वेबसाइट rites.com पर जाएं।
"Apprentices Recruitment 2025" पढ़कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करें।

RRB में 2569 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

-31 अक्टूबर से आवेदन शुरू, एज लिमिट 33 साल

रेलवे भर्ती बोर्ड में आरआरबी जूनियर इंजीनियर, डीएमएस और सीएमए भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। आवेदन प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों को फॉर्म में करेक्शन करने के लिए 03 दिसंबर से 12 दिसंबर तक का समय दिया जाएगा।
आवेदन शुरू 31 अक्टूबर 2025
लास्ट डेट 30 नवंबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
सिविल/मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा या बीई/ बीटेक की डिग्री
डिपॉट मटेरियल सुपरिंटेंडेंट : किसी भी इंजीनियरिंग क्षेत्र में 3 वर्षीय डिप्लोमा
केमिकल एंड मेटालर्जिकल असिस्टेंट : फिजिक्स, केमिस्ट्री के साथ बीएससी

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
एसटी/एससी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूडी : 10 साल की छूट

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 500 रुपए
एससी, एसटी, महिला, दिव्यांग : 250 रुपए

सैलरी :
35400 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

एग्जाम पैटर्न :
सीबीटी-1 : सब्जेक्ट :
गणित, सामान्य बुद्धिमत्ता और तर्क, सामान्य जागरूकता और सामान्य विज्ञान
क्वेश्चन टाइप : एमसीक्यू
मार्क्स : 100
ड्यूरेशन : 90 मिनट
नेगेटिव मार्किंग : एक-तिहाई अंक
सीबीटी- 2 :
क्वेश्चन टाइप : एमसीक्यू
क्वेश्चन नंबर : 150

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

रॉयल पत्रिका
जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -
9772552446/9799559096

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन में 122 पदों पर भर्ती

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में ट्रेड अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आज से आवेदन शुरू हो रहे हैं। उम्मीदवार वेबसाइट npcilcareers.co.in पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
07 नवम्बर से 27 नवम्बर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
जूनियर हिन्दी ट्रांसलेटर :
ग्रेजुएशन की डिग्री
डिप्टी मैनेजर :
पीजी, एमबीए, एलएलबी या सीए की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 30 साल

सैलरी :
पद के अनुसार 35,400 - 56,100 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

फीस :
डिप्टी मैनेजर : सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर : 150 रुपए
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग : निःशुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट npcilcareers.co.in पर जाएं।
करियर बटन पर क्लिक करने के बाद Registration Form लिंक पर क्लिक करें।
GATE 2023/2024/2025 डिटेल्स के साथ रजिस्ट्रेशन करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करके डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

नेवल शिप रिपेयर यार्ड में 210 पदों पर भर्ती

-8वीं, 10वीं पास को मौका, सभी के लिए निःशुल्क

नेवल शिप रिपेयर यार्ड में अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवारों को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। इस भर्ती के लिए पद के अनुसार एक से दो साल की ट्रेनिंग दी जाएगी।
आवेदन शुरू 24 अक्टूबर 2025
लास्ट डेट 23 नवंबर 2025

वैकेंसी डिटेल्स :

पद का नाम	पदों की संख्या
नेवल शिप रिपेयर यार्ड कारवा (एक साल की ट्रेनिंग)	168
नेवल शिप रिपेयर यार्ड कारवा (दो साल की ट्रेनिंग)	12
नेवल एयरक्राफ्ट यार्ड गोवा (एक साल की ट्रेनिंग)	30

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 8वीं, 10वीं, आईटीआई की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 14 वर्ष
अधिकतम : 18 वर्ष

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

स्टाइपेंड :
पद के अनुसार 3,400 - 9,600 रुपए प्रतिमाह

एग्जाम पैटर्न :
ओएमआर बेस्ड
मार्क्स : 100
ड्यूरेशन : 2 घंटे
नेगेटिव मार्किंग : नहीं

पद का नाम	पदों की संख्या
मैथ्स	35
साइंस	35
जीके	30

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल पोर्टल www.apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन करके लॉग इन करें।
होमपेज पर जाकर अपनी प्रोफाइल डिटेल्स कंप्लीट करें।

आवश्यकता

पैटर्न मास्टर स्टाफ की जरूरत है जिसको कटिंग का काम भी आता हो
जॉब लोकेशन : सोडाला
सैलरी 30K से ₹ 50,000
इसी फैक्ट्री में प्रोडक्शन मैनेजर की भी जरूरत है
सैलरी 20 से 30 हजार
Call @ 9828733222

ज्वैलरी इंडस्ट्री के लिए महिला फिमेल स्टाफ कोऑर्डिनेटर की जरूरत है इनकी इंग्लिश कम्युनिकेशन बहुत अच्छी हो, ज्वेलरी फील्ड का एक्सपीरियंस भी हो जिनको !
सैलरी : 25 से ₹40,000 तक
जॉब लोकेशन महापुरा और सीतापुरा जयपुर
HR @ 9828733222

फर्नीचर के काम करने वाले कारपेंटर, कारीगर और स्टाफ की जरूरत है
98287 33222
सैलरी : अनुभव हुआ काम देखने के बाद डिसाइड की जाएगी !

We Are Looking For – 3 Corel Jewellery Designer
Company Location: Mahapura, Jaipur
Experience Required: 1-3 Years
Salary: Up to ₹35,000 CTC Per month
कंपनी की तरफ से पिकअप & Drop फैसिलिटी अवेलेबल है
HR Irfan Akthar 9828733222

Urgent Requirement
(3 To 5 CCTV Camera Technician And 2 Computer Hardware & Networking Supporting Engg.)
जॉब लोकेशन : जयपुर
सैलरी 12 से ₹ 30,000
HR @ Irfan 9828733222

A Beautiful And Awesome Office Space Available In Adarsh Nagar Just in ₹ 4000 To 8000 Only. (Boss Cabin Available).
All Basic Amenities Are Absolutely Free With the Office Cabin
Location @ Adarsh Nagar Jaipur
@ 9828733222

फैशन डिजाइनर स्टाफ की जरूरत है इसको मर्चेंडाइजिंग का अनुभव हो क्लाइंट्स वगैरह को मैनेज कर ले !
फीमेल स्टाफ अप्लाई करें !
इसी कंपनी में CRM स्टाफ की भी जरूरत है !
जॉब लोकेशन : सोडाला, सिविल लाइन, अजमेर रोड जयपुर
सैलरी 30 से ₹ 40- 50000 तक
Call HR @ Irfan 9828733222

कोई मिलने वाले खान साहब (नदीम साहब - +91 89529 95291) है जिन्हें रफ से घाट, तावड़े , पोटे , और कारविन और टेबल का काम बखूबी तौर पर आता है
अल्हम्दुलिल्लाह 25 से 30 साल का इनका काम का अनुभव है, चार दरवाजा जयपुर में रहते हैं, अगर किसी की नजर में उनके लिए कोई काम हो तो बराये मेहरबानी कांटेक्ट करें, अल्हम्दुलिल्लाह बहुत बेहतरीन कारीगर है!
लिमरा फाउंडेशन
9828733222

लेडिस कपड़ों की शोरूम में महिला व पुरुष सेल्समैन व हेल्पर स्टाफ की जरूरत है!
जॉब लोकेशन चौड़ा रास्ता व सांगानेरी गेट/ सोडाला जयपुर
सैलरी : इंटरव्यू और अनुभव के अनुसार
अनुभवी स्टाफ को प्राथमिकता दी जाएगी !
9 से 11 घंटे की ड्यूटी हो सकती है
कॉल करें : HR 9828733222
निशुल्क जॉब उपलब्ध है

बहुत अर्जेंट यह सभी स्टाफ चाहिए है
CAD डिजाइनर
मैन्युअल डिजाइनर
कोरल डिजाइनर
Z ब्रश डिजाइनर के डिजाइनर जिसको सॉफ्टवेयर चलाना आता आता हो, सैलरी 20K से ₹50,000 तक जॉब लोकेशन जगतपुरा / मालवीय नगर / सीतापुरा Call HR @ 9828733222
https://chat.whatsapp.com/JxA231MGtsyK5vVkGk6WOI
Male/Female Both Can Apply

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न (रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)

खंड–1: प्राचीन भारत (Ancient India)

प्रश्न 14. अशोक का प्रसिद्ध शिलालेख 'कलिंग युद्ध' के बाद कहाँ पाया गया?
(A) मास्की (B) गिरनार
(C) दौलताबाद
(D) सोपारा
उत्तर: (A)
व्याख्या: मास्की शिलालेख में पहली बार 'अशोक' नाम का उल्लेख मिलता है और कलिंग युद्ध के बाद उनके परिवर्तन का वर्णन है।

प्रश्न 15. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की थी?
(A) चंद्रगुप्त मौर्य (B) कुमारगुप्त (C) स्कंदगुप्त
(D) हर्षवर्धन
उत्तर: (B)
व्याख्या: नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्त शासक कुमारगुप्त ने की थी।

प्रश्न 16. 'मेगास्थनीज़' किस ग्रीक शासक का दूत था?
(A) सिकंदर (B) सेल्यूकस
(C) डेरियस (D) ज़र्क्सीज़
उत्तर: (B)
व्याख्या: मेगास्थनीज़ सेल्यूकस निकेटर का दूत था, जिसे मौर्य दरबार में चंद्रगुप्त मौर्य के पास भेजा गया था।

प्रश्न 17. 'इंडिका' पुस्तक के लेखक कौन थे?
(A) स्ट्रैबो (B) हेरोडोटस
(C) मेगास्थनीज़
(D) प्लिनी
उत्तर: (C)
व्याख्या: यूनानी यात्री मेगास्थनीज़ ने भारत के सामाजिक, प्रशासनिक और आर्थिक जीवन का वर्णन अपनी पुस्तक 'इंडिका' में किया।

प्रश्न 18. गुप्त वंश की स्थापना किसने की थी?
(A) चंद्रगुप्त प्रथम (B) श्रीगुप्त
(C) समुद्रगुप्त (D) चंद्रगुप्त द्वितीय
उत्तर: (B)
व्याख्या: श्रीगुप्त ने गुप्त वंश की नींव रखी, जबकि चंद्रगुप्त प्रथम ने इसे विस्तार दिया।

प्रश्न 19. समुद्रगुप्त को 'भारतीय नेपोलियन' किसने कहा था?
(A) एल. डी. बार्नेट (B) ए. एल. बाशम (C) वी. ए. स्मिथ
(D) मेगास्थनीज़
उत्तर: (C)
व्याख्या: वी. ए. स्मिथ ने समुद्रगुप्त की विजयों के कारण उसे 'भारतीय नेपोलियन' कहा।

प्रश्न 20. गुप्तकाल को 'स्वर्ण युग' क्यों कहा जाता है?
(A) विशाल साम्राज्य (B) कला, साहित्य और विज्ञान की प्रगति
(C) विदेशी व्यापार (D) धार्मिक एकता
उत्तर: (B)
व्याख्या: गुप्तकाल में कला, साहित्य, विज्ञान, गणित और संस्कृति का अद्भुत विकास हुआ, इसलिए इसे स्वर्ण युग कहा गया।

प्रश्न 21. आर्यभट्ट का ग्रंथ कौन-सा है?
(A) आर्यभटीय (B) पंचतंत्र
(C) ब्रह्मसिद्धांत (D) अर्थशास्त्र
उत्तर: (A)
व्याख्या: आर्यभट्ट का प्रसिद्ध ग्रंथ 'आर्यभटीय' है, जिसमें गणित, ज्योतिष और खगोल से संबंधित सिद्धांत दिए गए हैं।

प्रश्न 22. चंद्रगुप्त द्वितीय का उपनाम क्या था?
(A) विक्रमादित्य (B) समुद्रगुप्त
(C) कुमारगुप्त (D) स्कंदगुप्त
उत्तर: (A)
व्याख्या: चंद्रगुप्त द्वितीय को विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता था, वह उज्जैन को अपनी राजधानी बनाया था।

प्रश्न 23. 'नवदुर्ग' किससे संबंधित हैं?
(A) गुप्तकालीन नगर व्यवस्था
(B) दक्षिण भारत की जनजातियाँ
(C) बौद्ध मठ(D) सिकंदर के किले
उत्तर: (A)
व्याख्या: गुप्तकाल में शहरी संगठन 'नवदुर्ग' कहलाते थे, जो नगर के प्रशासनिक केंद्र थे।

प्रश्न 24. हर्षवर्धन की राजधानी कहाँ थी?
(A) कन्नौज (B) पाटलिपुत्र
(C) उज्जैन (D) प्रयाग
उत्तर: (A)
व्याख्या: हर्षवर्धन ने कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया और उत्तरी भारत में एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की।

प्रश्न 25. 'हर्षचरित' के लेखक कौन थे?
(A) बाणभट्ट (B) कालिदास
(C) विष्णु शर्मा (D) दंडी
उत्तर: (A)
व्याख्या: बाणभट्ट ने 'हर्षचरित' की रचना की, जो हर्षवर्धन की जीवनी पर आधारित है।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

डायबिटीज से डरने की नहीं, संभलने की ज़रूरत

-रोज़ की ये आदतें हाई ब्लड शुगर को तेजी से करेंगी बैलेंस

भारत को आज "डायबिटीज की राजधानी" कहा जाने लगा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट के मुताबिक़, देश में हर 10 में से करीब 1 वयस्क डायबिटीज से प्रभावित है। हैरानी की बात यह है कि कई लोगों को शुरुआत में पता भी नहीं चलता कि उनकी ब्लड शुगर बढ़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि डायबिटीज कोई ऐसी बीमारी नहीं जिसे सिर्फ़ दवाओं से नियंत्रित किया जा सके। असल लड़ाई लाइफस्टाइल यानी रोज़मर्रा की आदतों में सुधार करके जीती जाती है। स्वस्थ खानपान, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद और कम तनाव—ये चार साधारण सी बातें ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने में चमत्कारिक भूमिका निभाती हैं। आइए जानते हैं कि डायबिटीज को रोकने और नियंत्रित रखने के लिए आपको कौन-सी आदतें ज़िंदगी का हिस्सा बनानी चाहिए।

संतुलित आहार – पहला और सबसे ज़रूरी कदम

डायबिटीज को कंट्रोल करने का सबसे अहम तरीका है — संतुलित और सादा आहार। आकाश हेल्थकेयर की एंडोक्रिनोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. मोनिका शर्मा कहती हैं — "संतुलित थाली में फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट होना ज़रूरी है। रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट, मीठे पेय और तले हुए भोजन से जितना बचा जाए, उतना अच्छा।"

संतुलित थाली में क्या होना चाहिए?

दाल, पकी हुई सब्ज़ियाँ, साबुत अनाज (जैसे गेहूं, ज्वार, बाजरा, ओट्स), सलाद, दही, किन चीज़ों से दूरी रखें?, चीनी और शुगर वाले पेय, सफेद आटा (मैदा), डीप फ्राइड चीज़ें, प्रोसेस्ड फूड, पैक्ड जूस

विशेषज्ञों का कहना है कि जूस पीने के बजाय फल खाना कहीं ज़्यादा फायदेमंद है, क्योंकि इसमें फाइबर होता है और ब्लड शुगर धीरे-धीरे बढ़ता है। और हां—चाय-कॉफी में चीनी कम कर दें। छोटे कदम ही बड़े बदलाव लाते हैं।

रोज़ाना शारीरिक गतिविधि – ब्लड शुगर का सबसे बेहतर इलाज

शारीरिक निष्क्रियता यानी बैठे-बैठे ज़िंदगी गुज़ारना डायबिटीज के सबसे बड़े कारणों में से है। फिटनेस एक्सपर्ट अर्चना वर्मा कहती हैं— "हर दिन कम से कम 30 मिनट तेज़ वॉक, साइकिलिंग या योगा करना ज़रूरी है। अगर काम बैठने वाला है तो हर घंटे 5 मिनट चलना या स्ट्रेचिंग करना बहुत फायदेमंद है।" छोटी-छोटी आदतें जो बड़ा असर डालती हैं

लिफ्ट की बजाय सीढ़ियाँ लें

ऑफिस में हर 30–40 मिनट उठकर कुछ कदम चलें, रात के खाने के बाद 15 मिनट की हल्की वॉक, घर के छोटे-मोटे काम खुद करें, ये छोटी गतिविधियाँ शरीर के मेटाबॉलिज़्म को सक्रिय रखती हैं और ब्लड शुगर को तेजी से बैलेंस करती हैं।

पर्याप्त नींद – शरीर का प्राकृतिक हीलिंग सिस्टम

नींद सिर्फ़ आराम नहीं, बल्कि शरीर में चलने वाली कई 'इनर प्रोसेस' का मुख्य आधार है। डॉ. रितु अरोड़ा, डायबिटीज विशेषज्ञ बताती हैं— "नींद कम होने से इंसुलिन की कार्यक्षमता कम हो जाती है। इससे शरीर में ग्लूकोज़ जमा होने लगता है और ब्लड शुगर बढ़ जाती है।"

कितनी नींद लें?, वयस्कों को रोज़ाना 7–8 घंटे की अच्छी नींद ज़रूरी है। नींद को बेहतर कैसे बनाएं?, सोने से 1 घंटा पहले मोबाइल-लैपटॉप बंद कर दें, कमरे में हल्की रोशनी रखें, रात में भारी भोजन न करें, गर्म पानी से पैर धोकर सोएं, तनाव कम होता है, अच्छी नींद से शरीर का हार्मोनल संतुलन ठीक रहता है, जिससे डायबिटीज को कंट्रोल करना आसान हो जाता है।

स्क्रीन टाइम कम करें – शरीर और दिमाग़ दोनों को आराम दें

आज की डिजिटल ज़िंदगी ने इंसान को स्क्रीन का कैदी बना दिया है। टीवी, मोबाइल, लैपटॉप—हर तरफ सिर्फ़ स्क्रीन ही स्क्रीन।

डॉ. मोनिका शर्मा कहती हैं— "ज़्यादा स्क्रीन टाइम शारीरिक गतिविधि को कम करता है और तनाव बढ़ाता है। दोनों ही डायबिटीज के लिए खतरनाक हैं।"

क्या करें?

हर 30–40 मिनट में उठकर थोड़ा चलें

आंखों को आराम देने के लिए 20 सेकंड तक दूर देखें. हफ्ते में 1–2 घंटे 'डिजिटल डिटॉक्स' रखें, भोजन के समय मोबाइल बिल्कुल न देखें, मन को सुकून मिलता है और शरीर भी हल्का महसूस करता है।

परिवार और सामाजिक वातावरण – साथ चलेगा परिवार, टिकेगी आदत

डायबिटीज कंट्रोल करना सिर्फ़ एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है। यह एक परिवारिक और सामाजिक आदत है। जब घर के सभी लोग मिलकर हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाते हैं, तो वह आदत लंबे समय तक चलती है।

विशेषज्ञ बताते हैं— "अगर पूरा परिवार सुबह वॉक पर जाए, घर में मीठा सीमित किया जाए, बच्चों को भी हेल्दी आदतें सिखाई जाएं—तो डायबिटीज का खतरा काफी घट जाता है।"

साथ में अपनाई जा सकती हैं ये आदतें

वीकेंड पर फैमिली वॉक, घर में मीठा सिर्फ़ खास मौकों पर, जंक फूड की जगह घर का ताज़ा खाना

बच्चों को एक्सरसाइज की आदत डालना, सब मिलकर हेल्दी कुकिंग ट्राई करना, एक सकारात्मक वातावरण बीमारी को दूर रखने में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है।

B.Sc के बाद क्या? सिर्फ डॉक्टर-साइंटिस्ट ही नहीं, ये 5 करियर बना सकते हैं आपका फ्यूचर ब्राइट!

साइंस की पढ़ाई हमेशा से मजबूत करियर का रास्ता मानी जाती है। लेकिन अक्सर 12वीं के बाद या फिर B.Sc करने के तुरंत बाद स्टूडेंट्स के मन में एक ही सवाल घूमता है—अब आगे क्या करें?

अधिकतर छात्रों को यही लगता है कि साइंस पढ़ ली तो करियर के रास्ते बस डॉक्टर, साइंटिस्ट या टीचर बनने तक ही सीमित हैं। जबकि असलियत इससे कहीं ज्यादा अलग और व्यापक है। आज के समय में साइंस ग्रेजुएट के लिए करियर के विकल्प तेजी से बढ़े हैं। चाहे फार्मा इंडस्ट्री हो, क्लिनिकल रिसर्च, डेटा एनालिसिस, बायोटेक्नोलॉजी, फॉरेंसिक साइंस या टेस्टिंग लैब्स—हर सेक्टर में B.Sc स्टूडेंट्स की डिमांड हाई है।

फॉर्मास्यूटिकल & बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री: रिसर्च से लेकर मैनेजमेंट तक

अगर आप साइंस बैकग्राउंड से हैं, खासकर B.Sc (Chemistry, Biotech, Microbiology, Zoology, Botany, PCM/PCB) किए हुए हैं, तो फार्मा व बायोटेक इंडस्ट्री आपके लिए बेहतरीन विकल्प है। यह सेक्टर लगातार बढ़ रहा है क्योंकि दवाइयों, वैक्सीन, बायोलॉजिकल प्रोडक्ट्स और मेडिकल टेक्नोलॉजी की जरूरत हर साल बढ़ती जा रही है। यहाँ B.Sc के बाद ढेरों जॉब रोल मिलते हैं:

संभावित जॉब प्रोफाइल, रिसर्च असिस्टेंट, क्वालिटी कंट्रोल (QC) एनालिस्ट, क्वालिटी एश्योरेंस (QA) ऑफिसर, प्रोडक्शन एग्जीक्यूटिव, मेडिकल रिप्रजेंटेटिव (MR), लैब टेक्नीशियन या माइक्रोबायोलॉजी असिस्टेंट, क्यों चुनें यह फील्ड?, करियर ग्रोथ फास्ट, हर शहर में इंडस्ट्रीज, उच्च शिक्षा के विकल्प (M.Sc, MBA, Clinical Research आदि), रिसर्च से लेकर मैनेजमेंट तक कई अवसर

रिसर्च एनालिस्ट: डेटा के दम पर फैसला लेने का करियर

आज के दौर में डेटा ही दुनिया चला रहा है। कंपनियों के हर छोटे-बड़े फैसले डेटा पर आधारित होते हैं। यही काम करते हैं रिसर्च एनालिस्ट। B.Sc ग्रेजुएट्स के लिए यह प्रोफाइल बहुत बड़ा अवसर बनकर उभरा है, खासकर यदि आपका मैथ्स, स्टैटिस्टिक्स, कंप्यूटर या एन्वायरनमेंट साइंस में रुचि है।

जॉब में क्या करना होता है?, डेटा इकट्ठा करना और एनालिसिस करना, मार्केट ट्रेंड्स को समझना, रिपोर्ट बनाना, कंपनियों को रिस्क और ग्रोथ को लेकर सलाह देना

कहाँ मिलती हैं नौकरी?

IT कंपनियाँ, रिसर्च एजेंसियाँ, ई-कॉमर्स सेक्टर, सरकारी रिसर्च प्रोजेक्ट, बैंकिंग और फाइनेंस कंपनियाँ

यदि आप आगे स्किल बढ़ाना चाहते हैं तो Data Analytics, Python, Excel, Statistics, Machine Learning जैसे कोर्स जॉब के अवसर और बढ़ा देते हैं।

टेस्टिंग लैब्स में करियर (एनालिस्ट / टेक्नीशियन): क्वालिटी की गारंटी देने वाला प्रोफेशन

हर प्रोडक्ट—दवा, खाद्य सामग्री, पानी, सीमेंट, पॉलिमर, कैमिकल, कॉस्मेटिक—किसी न किसी लैब टेस्टिंग से होकर गुजरता है। इसके कारण टेस्टिंग लैब्स में B.Sc छात्रों की डिमांड लगातार बढ़ रही है।

यहाँ आप कौन-कौन से रोल में काम कर सकते हैं?

लैब एनालिस्ट, लैब टेक्नीशियन, फील्ड टेस्टिंग ऑफिसर, क्वालिटी कंट्रोल असिस्टेंट, माइक्रोबायोलॉजी लैब असिस्टेंट, कौशल जो जरूरी हैं, लैब उपकरण चलाने का ज्ञान, रिपोर्टिंग स्किल, केमिकल हैंडलिंग, माइक्रोस्कोपी / सैंपल एनालिसिस

यह प्रोफेशन स्थिर, सुरक्षित और टेक्निकल अनुभव देने वाला होता है। कई कंपनियाँ B.Sc के छात्रों को ट्रेनिंग के साथ नौकरी भी देती हैं।

क्लिनिकल रिसर्च मैनेजर: मेडिकल ट्रायल्स का जिम्मेदार करियर

हेल्थकेयर सेक्टर के बढ़ने की सबसे बड़ी वजह है क्लिनिकल रिसर्च। किसी भी नई दवा या वैक्सीन को मार्केट में लाने से पहले उसका क्लिनिकल ट्रायल जरूरी होता है। यही काम क्लिनिकल रिसर्च टीम करती है। B.Sc (Biotech, Microbiology, Chemistry, Zoology) वाले स्टूडेंट्स के लिए यह उत्कृष्ट विकल्प है।

कैरियर के अवसर

Clinical Research Coordinator (CRC), Clinical Trial Assistant (CTA), Clinical Data Manager, Pharmacovigilance Associate, Clinical Research Manager

क्यों बढ़ रहा है यह फील्ड?

नई दवाइयों और वैक्सीन के लगातार विकास, अस्पतालों और रिसर्च सेंटर्स में बढ़ती मांग, इंटरनेशनल लेवल पर हाई पैकेज

यदि आप PG Diploma in Clinical Research या M.Sc Clinical Research करते हैं, तो करियर और तेज़ी से आगे बढ़ सकता है।

अंता विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया की ऐतिहासिक जीत

-कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान के बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर हुए उप चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने बड़ी जीत हासिल की है। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को 15612 वोटों से हराया। त्रिकोणीय मुकाबले में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया को 69571 मत मिले, भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को 53959 मत हासिल हुए। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को 53800 मत मिले। बाकी के लगभग 12 प्रत्याशी हजार के आंकड़े से भी बहुत दूर रहे। नोटा को 923 मत मिले। चुनाव की शुरुआत से ही मुकाबला त्रिकोणीय नज़र आ रहा था। जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने भी कड़ा संघर्ष किया ओर बड़ी संख्या में मत हासिल किए। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मोरपाल सुमन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दो बार प्रचार के लिए आए, साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने लगभग 5 दिन से ज्यादा समय बारां में ही गुजारा ओर चुनाव की कैंपेनिंग की। लेकिन नतीजे एक दम चौंकाने वाले आए।

अंता विधायक प्रमोद जैन भाया के लिए प्रचार में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व यूडीएच मंत्री व विधायक शांति धारीवाल, हिंडोली विधायक व इस चुनाव के प्रभारी अशोक चांदना, सह प्रभारी सी एल प्रेमी, पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, राजस्थान खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष आमीन पठान सहित कई दिग्गज व बड़े नेता मैदान में उतरे और कैंपेनिंग की। जिसका नतीजा रहा कि प्रमोद भाया बड़े अंतर से इस चुनाव में विजय हुए। विजय होने के पश्चात प्रमोद जैन भाया का उनके आवास पर समर्थकों ओर आमजन द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। उन्हें फूल माला ओर साफा पहनाकर मुंह मीठा करवाकर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

किशनगंज में आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) बारां जिले के किशनगंज कस्बे में स्वर्गीय ओमप्रकाश व्यास मानव सेवा समिति, बारां व चारभुजानाथ सेवा समिति, किशनगंज के सहयोग से रविवार 16 नवंबर 2025 को भव्य निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सहकारी समिति परिसर, बस स्टैंड के पास आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 173 मरीजों ने चिकित्सा परामर्श प्राप्त किया।

शिविर का शुभारंभ अतिथियों क्षेत्रीय विधायक डॉ. ललित मीणा, भारतमाता कॉलेज के निदेशक डॉ. मजीद मलिक कमांडो, पूर्व प्रधान पटेल मनोज चौधरी, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कर्मचारी कल्याण संस्थान के जिला अध्यक्ष भारत सिंह आदि की उपस्थिति में किया गया। दोनों समितियों स्व. ओमप्रकाश व्यास मानव सेवार्थ समिति, बारां तथा चारभुजानाथ सेवा समिति, किशनगंज के सदस्यों अंशुल व्यास, रामनिवास सुमन, मुकेश गुरदिया, दूरदर्शी जैन, मदन शाक्यवाल, संजय राठौर, सत्येंद्र धाकड़, नेमीचंद गुरदिया, योगेश सोनी, हरिशंकर कटारिया आदि के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। समिति के प्रमुख सदस्यों वीरेंद्र शर्मा, दीपेश गर्ग, वत्सल उपाध्याय ने सभी डॉक्टरों और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संबोधन के दौरान विधायक डॉ. ललित मीणा ने कहा कि "इस प्रकार के चिकित्सा शिविर हमारे क्षेत्र के लिए काफी कारगर हैं। स्व. ओमप्रकाश व्यास मानव सेवार्थ समिति लगातार मानव सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है, जिसका श्रेय समिति के प्रत्येक सदस्य को जाता है। शिविर में प्रिया हॉस्पिटल, बारां के डॉक्टरों डॉ. राजाराम मीणा लेप्रोस्कोपिक सर्जन, डॉ. शुभांशु जैन हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ, स्पाइन सर्जन, डॉ. नितेश मीणा, डॉ. समरा मसूद स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. रोहिन मीणा चर्म रोग विशेषज्ञ, डॉ. रविंद्र गर्ग, भुनेश शर्मा आदि ने सेवाएं दी। डॉ. शुभांशु जैन ने बताया कि शिविर में कमर दर्द एवं घुटनों के दर्द से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक रही। उन्होंने ऐसे मरीजों को कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों एवं आवश्यक उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की। डॉ. समरा मसूद ने महिलाओं को प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं और उनकी रोकथाम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण SIR के तहत शिविर का आयोजन

-पार्षद शरीफ रंगरेज व आमजन के सहयोग से लगे शिविर का सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिले में चल रहे मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR) के तहत कई लोगों को फार्म भरने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इसके लिए वार्ड नंबर 44 के पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज द्वारा स्थानीय लोगों के सहयोग से मेला ग्राउंड स्थित फूल पीर साहब जमात खाने में SIR मतगणना फार्म शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड नंबर 44, वार्ड 56 और वार्ड 57 के बीएलओ सहित कई शिक्षित युवाओं ने श्रमिक कॉलोनी सहित अन्य जगह से आए लोगों के फॉर्म को भरा गया। इसके पश्चात बीएलओ ने फार्म को चेक करके त्रुटि सुधार करके जमा भी किए। शिविर में वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, मास्टर अयूब अली, पूर्व पार्षद नियाज़ मोहम्मद, बीएलओ मोहम्मद आबिद देशवाली, जफीर अहमद, पार्षद परवेज खान सहित कई लोगों ने अपना योगदान दिया। इस दौरान शिविर का जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने भी निरीक्षण किया। शिविर की व्यवस्थाओं को देखकर संतुष्ट नजर आए। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चला, इस दौरान लगभग तीन सौ लोगों ने अपने फार्म को पूरी तरह भर कर बीएलओ को जमा करवाए ।

झालावाड़ में कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ की संगठनात्मक बैठक,आगामी चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ की संगठनात्मक बैठक रविवार 16 नवंबर को कांग्रेस कार्यालय झालावाड़ में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिले की प्रभारी हिमानी नंदवाना (राजसमंद) उपस्थित रहीं, जबकि बैठक की अध्यक्षता महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष वर्षा शर्मा ने की।

मुख्य अतिथि हिमानी नंदवाना ने संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले पंचायत और निकाय चुनावों में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति अपने-अपने क्षेत्रों में अभी से ही चुनावी कार्य शुरू कर दे और अधिक से अधिक महिलाओं को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य रखा जाए। उन्होंने कांग्रेस विचारधारा से जुड़ी महिलाओं को संगठन में आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित करने का आग्रह भी किया। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष वर्षा शर्मा ने बताया कि बैठक में चुनाव के दौरान आमजन से संपर्क बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई। साथ ही संगठन के विस्तार को लेकर भी महिलाओं से सुझाव लिए गए। बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गुर्जर, विधायक सुरेश गुर्जर, सेवादल जिलाध्यक्ष नंदसिंह राठौड़, वरिष्ठ नेता रामलाल चौहान, सिद्दीक गोरी, देवकीनंदन वर्मा, महेंद्र प्रताप सिंह झाला, ब्लॉक अध्यक्ष इम्तियाज हुसैन, पूर्व चेयरमैन बालकिशन बादल और अजित जैन सहित अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे। संचालन नितिन सेठी ने किया।

बैठक में मौजूद महिला पदाधिकारी

महिला जिला अध्यक्ष वर्षा शर्मा, उपाध्यक्ष रेहाना, झालरापाटन ब्लॉक अध्यक्ष सुशीला जैन, नगर अध्यक्ष मोनिका सेठी, प्रवक्ता रेखा कुमारी, नगर अध्यक्ष रानी शर्मा, सचिव अनुभा तिवारी, अकलेरा नगर अध्यक्ष हेमलता जैन, खानपुर की हेमलता यादव, नगर अध्यक्ष रईसा, कृष्णा बाई, रीना दांगी और कृष्णा राठौड़ उपस्थित रहीं। 60 लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की,बैठक के दौरान मनोहरथाना क्षेत्र से 60 लोगों ने कांग्रेस विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस नेता नेमीचंद मीना ने सभी नए सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत किया और उनका सम्मान किया।

मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण

-बीएलओ के कार्यों का लिया जायजा

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिले में चल रहे मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने रविवार 16 नवंबर को नारेड़ा, केदाहेड़ी, पाठेड़ा, लिसाडिया, श्रमिक कॉलोनी, लंका कॉलोनी, अटरु रोड एवं शिवाजी नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा उन्हें समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने घर-घर सत्यापन, नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृतकों के नाम हटाने तथा सूची में शुद्धता बनाए रखने से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। कलक्टर ने मौके पर मौजूद नागरिकों से भी संवाद किया तथा उन्हें मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, त्रुटि सुधारने और पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने को लेकर आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान एसडीएम विश्वजीत सिंह, संबंधित तहसीलदार, अन्य अधिकारी तथा बीएलओ मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पुनरीक्षण अवधि के दौरान किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए और प्रत्येक दावा-आपत्ति का समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ लगातार जारी रहेंगी, ताकि अधिक से अधिक लोग लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक होकर मतदाता सूची में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

रामगंजमंडी खनन क्षेत्र में तोल कांटों की धीमी गति से बढ़ी परेशानी

-एसोसिएशन ने जताई चिंता

डॉ. तोहिद

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी कोटा स्टोन स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र काला और सचिव अखलेश मेडतवाल ने सोमवार को कोटा में खनन विभाग के अधीक्षण अभियंता अविनाश कुलदीप से मुलाकात कर रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के खनन क्षेत्रों में स्थित तोल कांटों पर हो रही देरी को लेकर चिंता व्यक्त की। प्रतिनिधियों ने बताया कि पहले एक वाहन का वजन मात्र दो मिनट में पूरा हो जाता था, लेकिन पिछले दो महीनों से यह समय बढ़कर - लगभग दस मिनट प्रति वाहन लगने लगा है। इस कारण खदानों से निकलने वाली गाड़ियों की लंबी कतारें लग रही हैं और परिवहन व्यवस्था बाधित हो रही है। नरेंद्र काला ने कहा कि यदि यही स्थिति बनी रही तो खनन व्यवसायियों के साथ-साथ मजदूरों को भी भारी नुकसान होगा। समय पर तोल नहीं होने से गाड़ियां देर रात तक फंसी रहती हैं, जिससे ईंधन और श्रम दोनों की बर्बादी हो रही है।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क आंखों का कैंप एवं चिकित्सा शिविर आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क आँखों का केंप एवं चिकित्सा शिविर रविवार 16 नवंबर 2025 को विज्ञान नगर, कोटा मे मिनी मोटर मार्केट के पास आयोजित किया गया । ट्रस्ट के सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद हयात ख़ान ने बताया कि केंप मे डॉक्टर सुधीर गुप्ता एवं टीम द्वारा 290 रोगियों को आँखों की जांच कर दवाइयाँ वितरित की गईं तथा 20 रोगियों के नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारोपित किए गए । ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन सलीम अब्बासी ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि, इस नि:शुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर मे अस्थमा, श्वास, एवं एलर्जी के रोगियों की मशीन द्वारा नि:शुल्क जांच की गईं । केंप मे नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ. हितेश मीणा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अहमद जुबेर, जनरल सर्जन डॉ. शाहिद हुसैन, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नाज़िया परवीन, फ़िजीशियन डॉ. अशहत इज़ान, डॉ. अक़ील ख़ान, डॉ. शाहबाज़ ख़ान, स्किन रोग, न्युरोथेरपी, व पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. अंजुम अंसारी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अल्फ़ा सैय्यद, फ़िजियोथेरपिस्ट डॉ. फ़ातिमा ख़ान ने अपनी सेवाएँ प्रदान कर 320 मरीज़ों को परामर्श दिया जिन्हें आवश्यक जाँचें और दवाइयाँ नि:शिल्क वितरित की गई । प्रोग्राम में मेहमाने ऐजाज़ी, रफीक भाई कोटा टायर एसोसिएशन के अध्यक्ष, सोहेल भाई कोटा कार बाजार के अध्यक्ष, रफीक भाई छावनी जामा मस्जिद के सदर, पार्षद, सोनू अब्बासी, मंडी समिति से, मोहम्मद असलम, राईन समाज के सदर शकील अहमद, सचिव जॉनी राईन रहे । शिविर को कामयाब बनाने में मुख्य रूप से, अशफाक मंसूरी, रशिदुद्दीन, निसार अहमद, इमरान अली, मुश्ताक अहमद, नासीर भाई, जावेद भाई सनराइज, डॉक्टर आबिद खान,शाहिद रिज़वी, मिर्जा नफीस बैग, हाजी हुसैन मुख़्तार अंसारी, सोहेल भाई झालावाड़, जावेद भाई रंगपुर, राशिद भाई एम आर, आमिर भाई एम आर, कंपाउंडर अब्दुल वहीद, मास्टर सलाम सीसवाली, अशफाक भाई फोटोग्राफर, असलम रोमी, नवाबुर्रहमान, केम्प संयोजक इमाम मंसूरी रहे । अंत में सभी मेहमानों डॉक्टरों, नर्सिंग स्टॉफ जिन लोगों ने शिविर को कामयाब बनाया उन सभी का एम सी टी क्लिनिक मैनेजमेन्ट प्रभारी ज़ाकिर आसफी ने दिल से शुक्रीया अदा किया । इस केंप मे हाड़ोती क्षेत्र के लगभग 610 मरीज़ लाभान्वित हुए।

सेवा-सौहार्द से सरोबार इनरव्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन की आधिकारिक यात्रा हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। सेवा, समर्पण और सौहार्द से सजे वातावरण में डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन बिंदु गुप्ता की आधिकारिक यात्रा इनरव्हील क्लब बारां, अंता एवं मांगरोल द्वारा उत्साहपूर्ण ढंग से सम्पन्न की गई। क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने बताया कि बीकानेर से पधारी डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन बिंदु गुप्ता का स्वागत विशेष गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर बारां जिला प्रमुख उर्मिला जैन तथा ग्वालियर (मप्र) से डिस्ट्रिक्ट आईएसओ अलका भार्गव विशिष्ट अतिथि रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ साज-सज्जा, पटाखों, आरती एवं पुष्पवर्षा के साथ कार्यक्रम का संचालन कर रही ललिता टोंग्या एवं सुमन गोयल ने किया। क्लब अध्यक्ष नीतू गुप्ता द्वारा बैठक की औपचारिक घोषणा और इनरव्हील प्रार्थना ओर दीप प्रज्ज्वलन से शुरुआत हुई। स्वागत श्रृंखला में बारां अध्यक्ष नीतू गुप्ता, अंता अध्यक्ष माधुरी मीणा तथा मांगरोल अध्यक्ष किरण मारू ने डिस्ट्रिक्ट चेयरमेन का माल्यार्पण, तिलक व साफा-दुपट्टे से अभिनंदन किया। शिल्पा गर्ग और सीमा सिंह द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। क्लब अध्यक्ष ने स्वागत भाषण में क्लब की उपलब्धियों एवं सेवा कार्यों का परिचय कराया। विमंदित बच्चों की नृत्य व लघुनाटिका प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। क्लब सचिव द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा डिस्ट्रिक्ट आईएसओ ने जिला स्तरीय गतिविधियों का विवरण साझा किया। डिस्ट्रिक चेयरमैन द्वारा बारां क्लब की विविध सेवा परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया इनमें शामिल थे बारां क्लब के 7 प्रोजेक्ट। जिनमें 10 बालिकाओं की बोर्ड फीस हेतु चेक वितरण, महिला सशक्तिकरण हेतु सिलाई मशीन, वृद्धजन के लिए ट्राइसाइकिल, प्रौढ़ शिक्षा हेतु 5 प्रौढ़ों व शिक्षक का सम्मान, विमंदित बच्चों को 10 फैंसी ड्रेस, विभिन्न खेल सामग्री एवं अन्य सामाजिक उपयोगी उपहार इत्यादि। अपने संबोधन में चेयरमेन ने इनरव्हील की मूल भावना सेवा, सौहार्द और सहयोग"को आत्मसात करने का संदेश दिया। बारां क्लब द्वारा वर्ष 2025-26 जुलाई से नवम्बर तक किये जाने वाले 83 से अधिक सेवा कार्यो की बहुत ही सराहना की व सभी पदाधिकारियों के कार्यो के लिए बारां क्लब की बधाईया दी। विशिष्ट अतिथि उर्मिला जैन भाया ने तीनों क्लबों को सतत आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में बारां क्लब की कोषाध्यक्ष मंजू बंसल ने बताया कि इस विजिट कार्यक्रम में बारां क्लब से चार्टर सेक्रेटरी मृदुला मारू, इंद्रा गालव, अनिता सेठी, सुधा गोयनका, चन्दा ठाकुरिया, डॉ नेहा गुप्ता, सुलेखा जैन, दिव्या जैन, शिल्पा गर्ग, प्रेरणा शर्मा इनरव्हील क्लब अंता से सचिव सुरभि खण्डेलवाल, नीतू सोनी, पूजा जैन, सुधा खण्डेलवाल, रिंकेश मीणा, भारती गौतम, मांगरोल से भी सचिव माधुरी बावेल अनिता वैद्य, टीना पारेता, टीना जैन, मंजू गौतम एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर उपाध्यक्ष ने धन्यवाद व्यक्त किया। अंत में क्लब अध्यक्ष ने बैठक स्थगित कर इनरव्हील क्लब के आदर्शों पर दृढ़ता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। बारां, अंता और मांगरोल क्लबों द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। अंत में नीतू गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दो दिवसीय ए.एम.पी. नेशनल एन.जी.ओ. कॉन्फ्रेंस 2025 लखनऊ में संपन्न

लखनऊ/कोटा (रॉयल पत्रिका) उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दिनांक 15 व 16 नवंबर को आयोजित हुई एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (ए.एम.पी.) की नेशनल एन.जी.ओ. कॉन्फ्रेंस में देश के सभी राज्यों से आए करीब एक हजार डेलीगेट्स कार्यक्रम में शामिल हुए।

15 नवंबर को सुबह 9 बजे झंडारोहण करने के बाद प्रोग्राम का आगाज किया गया।

प्रोग्राम पहले दिन तीन सेशन में आयोजित हुआ, जिसमें देश भर से आए हुए शिक्षा विद, वाइस चांसलर, उद्योगपति, सामाजिक कार्यकर्ता, मीडिया की टीमें उपस्थित रहीं। प्रोग्राम को सभी आमंत्रित वक्ताओं ने संबोधित किया।

वर्तमान में मुस्लिम समाज में शिक्षा की कमी को पूर्ण करने के लिए सभी आगंतुकों ने देश भर में गुणवत्ता शिक्षा पर अपने विचार प्रकट किए एवं वादा किया कि मुस्लिम समाज में शिक्षा की बेहतरी के लिए नए स्कूल, यूनिवर्सिटी, शिक्षण संस्थाएं खोलने की प्रतिज्ञा ली।

अंत में ए.एम.पी. के नेशनल अध्यक्ष आमिर इदरीसी द्वारा 2007 से लेकर 2025 तक ए.एम.पी. द्वारा किए गए कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया और आगामी 25 वर्षों तक का विकास प्लान प्रस्तुत किया । नेशनल टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन भी किया गया, जोकि 13 दिसंबर को देश के 400 जिलों में आयोजित की जा रही है।

ए.एम.पी. अध्यक्ष ने भरोसा दिलाया कि ए.एम.पी देश के हर जिले और हर ब्लॉक में अपनी योजनाओं को संचालित करने जा रही है। उन्होंने ए.एम.पी जकात फंड से गरीबों की ज्यादा से ज्यादा सहायता करने की अपील की।

प्रोग्राम में राजस्थान ए.एम.पी. टीम के 20 डेलीगेट्स ने भाग लिया। कोटा से इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, कमरूज जमा खान, शाहनवाज खान, अंसार इंदौरी आदि ने भाग लिया।

अंसार इंदौरी को मानव अधिकार क्षेत्र में उत्कर्ष कार्य के लिए गेम चेंजर अवार्ड से सम्मानित किया गया एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कर्ष कार्य करने वाले अन्य अतिथियों को भी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। प्रोग्राम का समापन राष्ट्र गान के साथ सम्पन्न हुआ।

रामगंजमंडी नगरपालिका ने 10 लोगों को सौंपे पट्टे

सुकेत/रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी में नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल ने 10 लाभार्थियों को उनके पट्टों का वितरण किया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि फॉलोअप कैंप में लंबित पड़े सभी आवेदनों पर तेजी से कार्यवाही की जाए। उनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे कि लोगों को राहत मिल सके। इस दौरान युवा दल सचिव पालिका अधिशासी अधिकारी राजकुमार पारख, शैलेश काला, तरुण कुमार लहरी, रमेश लूथरा, पूर्व पार्षद संतोष यादव और सरदार जसमीत सिंह सलूजा शामिल रहे।

मानवता की मिसाल पेश करते रक्त वीर ठंडी रात में पहुंचकर किया रक्तदान

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर एक उम्मीद फाउंडेशन के संस्थापक आसिफ टीपू खान ने बताया कि बीती रात लगभग 11 बजे सकील प्यारे का फोन आया, जिसमें जानकारी दी गई कि राजगढ़ की महिला मुस्कान गंभीर स्थिति में है और उसे तुरंत 6 यूनिट O+ रक्त की बहुत ही जल्द जरूरत है। स्थिति की नाजुकता को समझते हुए आसिफ टीपू खान ने बिना देर किए अपने साथी रक्तदाताओं इस्लाम खान, अजीज चौहान और नविद नसवान से संपर्क किया। मानवता की मिसाल पेश करते हुए तीनों रक्तवीर रात के समय ही ब्लड बैंक पहुँचे। ठंडी रात, देर का समय और व्यक्तिगत व्यस्तताओं के बावजूद उन्होंने एक अनजान महिला की जान बचाने के लिए आगे बढ़कर रक्तदान किया। उनके इस साहस, सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना को देखते हुए कहा जा सकता है कि ये युवा वास्तव में समाज के सच्चे हीरो हैं। इस मौके पर सकील प्यारे, हामिद खान रिसालदार और इमरान चौहान भी उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तवीरों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि "रक्तदान सिर्फ एक दान नहीं, बल्कि एक जीवन का उपहार है। "उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसे नेक कामों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और नियमित रक्तदान करें, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी के लिए नई उम्मीद और नया जीवन बन सकता है। एक उम्मीद फाउंडेशन हमेशा की तरह मानव सेवा की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है—चाहे वह रक्तदान हो, रोगियों की सहायता, सामाजिक कार्य या ज़रूरतमंदों की मदद। संस्था का उद्देश्य है कि किसी भी जरूरतमंद को समय पर सहायता मिले और समाज में सकारात्मक संदेश फैले।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह में दिया भाईचारे का संदेश

-इंसान का इंसान से हो भाईचारा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शहर के ऐतिहासिक स्थल कोटड़ी रिसालदार में "कायम एजुकेशन एंड वेल्फेयर सोसायटी" के तत्वावधान में इक्कीसवां दीपावाली स्नेह मिलन समारोह गायत्री शक्ति पीठ के रामसिंह राठौड़ व मौलाना अनीश रज्जा के सानिध्य व वरिष्ठ कांग्रेस नेता रफीक मंडेलिया के मुख्य आतिथ्य में शहर के सभी वर्गों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में उत्साहपूर्वक मनाए गए कार्यक्रम के शुभारंभ में समारोह के संयोजक रियाजत अली खान ने सभी लोगों का स्वागत करते हुए चूरू के लोगों के स्नेह भाव को रेखांकित किया। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र सोनी ने भारत नाम की व्याख्या की कि भारत मेरा देश है, समस्त भारतवासी मेरे भाई बहन हैं जैसा भाव हर देशवासी के मन में होना चाहिए। गायत्री शक्ति पीठ के रामसिंह राठौड़ ने ऋग्वेद के मंत्र का उल्लेख करते हुए मानव मानव में एकता की बात कही।
सेवा निवृत शिक्षक बाबूलाल शर्मा ने श्रृष्टि की रचना को समझाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रफीक मंडेलिया ने आपसी स्नेह व भाईचारे से रहने की बात कही। मौलाना अनीश रज्जा की ओर से प्रस्तुत आयत के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में उमाशंकर शर्मा, अदुराम न्यौल, अधिवक्ता आशा राम, सेवा निवृत एडिशनल एसपी अयूब खान, इस्माइल खान,महिला कांग्रेस की कपूरिया आदि ने विचार व्यक्त किए।
इस अवसर पर इरशाद मंडेलिया, डॉ. सुरेन्द्र सोनी, , बाबूलाल शर्मा, सुरेन्द् महला, उमाशंकर, इस्माइल खान, धर्मेंद्र बुडानिया, सुनिता कपूरिया, आशाराम सैनी, ठाकुर मल शर्मा, अय्यूब खान, वाहिद खान, विद्याधर मेघवाल, सहित सैंकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लीलाधर चुलेट ने कियासेवा निवृत शिक्षक बाबूलाल शर्मा ने श्रृष्टि की रचना को समझाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रफीक मंडेलिया ने आपसी स्नेह व भाईचारे से रहने की बात कही।मौलाना अनीश रज्जा की ओर से प्रस्तुत आयत के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में उमाशंकर शर्मा, अदुराम न्यौल, अधिवक्ता आशा राम, सेवा निवृत एडिशनल एसपी अयूब खान, इस्माइल खान,महिला कांग्रेस की कपूरिया आदि ने विचार व्यक्त किए।

चूरू के कनिष्क शर्मा ने शूटिंग में रचा इतिहास

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला खेल स्टेडियम स्थित चिंकारा शूटिंग रेंज के प्रतिभाशाली शूटर कनिष्क शर्मा ने भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया जी. वी. मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर चूरू का नाम एक बार फिर रोशन किया है। प्रतियोगिता में कनिष्क ने बेहतरीन एकाग्रता और मजबूत प्रदर्शन का परिचय दिया। उनके प्रदर्शन ने न केवल उनके कोच और खेल प्रेमियों को प्रभावित किया, बल्कि क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना। चूरू के शिव कॉलोनी निवासी 12वीं कक्षा के छात्र कनिष्क शर्मा के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उनका चयन अब 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हो गया है। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 11 दिसंबर से 31 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर के चूने हुए श्रेष्ठ शूटर हिस्सा लेंगे।।15 वर्षीय कनिष्क इस प्रतियोगिता में अपनी राइफल शूटिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हुए देश के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। चिंकारा शूटिंग रेंज के कोच करणवीर सिंह राठौड़ ने कनिष्क की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि कनिष्क ने लगातार अभ्यास, अनुशासन और कठिन परिश्रम के दम पर यह मुकाम हासिल कर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। कनिष्क शर्मा की उपलब्धि पर परिवारजनों, शिक्षकों, रेंज के प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। कनिष्क ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच करणवीर सिंह और परिजनों को देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना है।कनिष्क के इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया है कि समर्पण और निरंतर अभ्यास के साथ बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं। अब प्रदेश और क्षेत्र की निगाहें दिसंबर में होने वाली नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी।

मदरसा पीर की जाल में किया सामूहिक वंदे मातरम् का गायन

मोहम्मद अब्बास

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्ला अलेह के आस्ताने पर मदरसा दारुल उलूम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय पीर की जाल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर एवं भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इस जीत की ऐतिहासिक भूमिका के सम्मान में नागरिकों में देश-भक्ति, एकता और आत्म-निर्भरता की भावनाओं को लेकर जिले में राजस्थान मदरसा बोर्ड जयपुर से पंजीकृत मदरसा में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वच्छता एवं सेवा अभियान के तहत उपस्थित सभी लोगों एवं विद्यार्थियों द्वारा मदरसा में व आस-पास के क्षेत्र को स्वस्थ रखने का संकल्प लिया गया। मदरसा के नाजिमें आला नबी बक्स ने मदरसा शिक्षा अनुदेशकों एवं विद्यार्थियों ने वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका है । वर्तमान में देश-भक्ति स्वदेशी राष्ट्र गौरव एवं राष्ट्रीय एकता के बारे में बताया। प्रधानाचार्य हुसैन खां ने विद्यार्थियों एवं मदरसा प्रबंधन समिति के सदस्य द्वारा राष्ट्र को आत्म-निर्भर बनाने के लिए स्वदेशी का संकल्प लिया गया। इस मौके पर मौलाना हासम दल अकबरी, मौलाना कारी अब्दुल शकुर सिद्दीकी, मौलाना अब्दुल सत्तार सिद्दीकी, कारी मुबारक हुसैन सरवरी, अध्यापक रुस्तम खान, अध्यापक रमेश खान सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

लायंस क्लब ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर किया मीडियाकर्मियों का सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय स्थित नगर श्री शोध संस्थान में राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष में लायंस क्लब चूरू द्वारा मीडियाकर्मियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, डीडीपीआर कुमार अजय, लायन बालकिशन राजगड़िया सहित अतिथियों ने शिरकत की। इस दौरान क्लब अध्यक्ष लायन राजीव शर्मा, सचिव लायन संजीव कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष लायन आकाश सोनी तथा संयोजक लायन राजीव चाहर भी मंचस्थ रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि सशक्त राष्ट्र और बेहतर समाज के निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका है। मीडिया के माध्यम से समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक समुचित व सटीक जानकारी समयबद्ध ढंग से पहुंच पाती है। उन्होंने कहा कि हम सभी नागरिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए देश की विकास यात्रा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि एआई जहां सूचना प्रसारण को तेज और सुलभ बना रहा है, वहीं तथ्य की सत्यता और प्रामाणिकता की चुनौती भी बढ़ा रहा है। ऐसे समय में पत्रकारों को और अधिक सतर्क, अनुसंधानपरक एवं तथ्यों की दोहरी जांच करने की आवश्यकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बोलते हुए मुख्यधारा मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती अब विश्वसनियता की रक्षा और तथ्य आधारित रिपोर्टिंग को मजबूत बनाना है। जिला कलक्टर ने पत्रकारों से अपील की कि वे अपनी लेखनी को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और सामाजिक उपयोगिता के साथ जोड़कर देश के विकास और बेहतर समाज निर्माण में सार्थक भूमिका निभाएं। जनसंपर्क उपनिदेशक कुमार अजय ने पत्रकारिता को लोकतंत्र का प्रहरी बताते हुए कहा कि मीडिया का दायित्व सिर्फ सूचना देना नहीं, बल्कि सत्य, संतुलन और समाजहित को प्राथमिकता में रखना भी है। उन्होंने पत्रकारिता में मौलिकता के महत्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि मीडिया का सबसे बड़ा मूल्य उसकी मौलिकता है। आज कॉपी-पेस्ट, पुनर्लेखन और बिना स्रोत के सामग्री साझा करने का खतरा बढ़ गया है। ऐसे समय में मौलिक रिपोर्टिंग, फील्ड इनपुट और ग्राउंड रियलिटी पर आधारित सामग्री ही पत्रकार की असली पहचान बनाती है। उन्होंने कहा कि हम रचनात्मकता, शोध, विश्वसनीयता और निष्पक्षता को केंद्र में रखते हुए समाज को सही दिशा देने का कार्य करें। एपीआरओ मनीष कुमार ने जिम्मेदार और रचनात्मक पत्रकारिता की आवश्यकता पर बल दिया। क्लब अध्यक्ष लायन राजीव शर्मा के अतिथियों का स्वागत किया तथा पत्रकारिता को समाज की दिशा निर्धारित करने वाली प्रभावी व दायित्वपूर्ण शक्ति बताते हुए मीडियाकर्मियों का अभिनंदन किया। लायन बालकिशन राजगढ़िया ने लायंस क्लब की सेवाओं और पत्रकारों के योगदान को सराहा। गुरुदास भारती व बुलकेश चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए। अतिथियों ने मीडियाकर्मियों का शॉल, माल्यार्पण व प्रशस्ति—पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया। संयोजक लायन राजीव चाहर ने सभी अतिथियों, पत्रकारों एवं उपस्थितों का आभार जताया। इस दौरान लायन चंद्रशेखर अग्रवाल, लायन शैलेन्द्र माथुर, लायन रामचंद्र राजोतिया, लायन सुनील रंजन टकणेत, लायन मुकुल सिगतिया, लायन आबिद खान, लायन महेंद्र धानुका, लायन कमल जांगिड़, डॉ राजकुमार पूनिया, लायन रघुवीर सिंह गुरावा, लायन महेश हारित, लायन दीनदयाल सैनी, लायन ताराचन्द प्रजापत, लायन शंकरलाल सैनी, लायन अशोक जांगिड़, लायन विजय इसरानी आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन जॉन चैयरमेन लायन चंदप्रकाश खत्री ने किया।

आई एफ़ डब्ल्यू जे की बैठक सम्पन्न

पाली (रॉयल पत्रिका) । आईएफ़डब्ल्यूजे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेशाध्यक्ष उपेंद्रसिंह राठौड़ के निर्देशन में IFWJ पाली शाखा के मारवाड़ ब्लॉक की बैठक जिलाध्यक्ष संदीप राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई । जिसमें मारवाड़ क्षेत्र के समस्त पत्रकार साथियों ने शिरकत की। इस दौरान बैठक में संगठनात्मक स्तर पर विस्तृत चर्चा हुई तो वही ब्लॉक अध्यक्ष पद हेतु चुनाव अधिकारी के रूप में सिकन्दर खान (गुडलक टाइम्स) द्वारा चुनाव प्रक्रिया पूरी की जिसमें सर्वसम्मति से दैनिक भास्कर धनला के संवाददाता मुकेश सोलंकी के नाम पर सहमति जताई । वहीं समस्त पत्रकार साथियों ने IFWJ मारवाड़ शाखा के ब्लॉक अध्यक्ष पद हेतु मुकेश सोलंकी के मनोनीत होने पर शुभकामनाएं दीं । इस अवसर पर निर्मल बुरासिया धनला, सुरेश पंवार आऊवा, अनिल मारू मारवाड़, चांदमल सोनी गुडा मोकमसिंह, हीरालाल शर्मा कंटालिया, मनोज माली मारवाड़, अनिल सैन बांता, दिलीप मेवाड़ा सिरियारी, प्रकाश सिरियारी, प्रवीण परिहार बांता, दिलीप कराड़ी, कैलाश भाटिया मारवाड़, धनराज राजकियावास, नरेश परिहार कंटालिया, रविन्द्र बांता आदि मौजूद रहे।

यूसुफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल में बाल दिवस पर कंप्यूटर लैब का भव्य शुभारम्भ

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर बाल दिवस के अवसर पर यूसुफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल, चूरू में आधुनिक तकनीक से सुसज्जित कंप्यूटर लैब का भव्य शुभारम्भ किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में छात्राएँ, अभिभावक एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद रफीक कुरैशी पुत्र अकबर हुसैन कुरैशी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मुमताज अली कुरैशी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भामाशाह रमजान कुरैशी हाजीवाला शामिल हुए। सभी अतिथिगणों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नई कंप्यूटर लैब का लोकार्पण किया। समारोह की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं द्वारा कुरान पाक की आयतों के तिलावत से हुई, जिससे वातावरण आध्यात्मिक और सुसंस्कृत बन गया। उसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. मुमताज अली कुरैशी का स्वागत अध्यक्ष हाजी मुस्ताक कुरैशी ने माला पहनाकर किया। वहीं विशिष्ट अतिथि रमजान कुरैशी हाजीवाला का स्वागत मोहम्मद रफीक कुरैश ने सम्मानपूर्वक माला पहनाकर किया। इसी क्रम में अब्दुल गफ्फार टाईवाला का स्वागत उपाध्यक्ष हाजी याकूब थीम ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. मुमताज अली कुरैशी ने कहा कि आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर का ज्ञान प्रत्येक छात्रा को नए अवसर, रोजगार संभावनाओं और तकनीकी दक्षता की दिशा में आगे बढ़ाता है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में ऐसी अत्याधुनिक सुविधाओं का निर्माण होना एक सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम है। उपाध्यक्ष हाजी याकूब थीम ने जानकारी देते हुए कहा कि नई कंप्यूटर लैब में आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम, हाई-स्पीड इंटरनेट और आवश्यक शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाई गई है, जिससे छात्राएँ तकनीक के क्षेत्र में मजबूत आधार बना सकेंगी। उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों से भी जोड़ना है। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापिका फरीदा कुरैशी और अध्यापिका शाहिना बानो ने संयोजित एवं प्रभावशाली ढंग से किया।
समापन राष्ट्रगान और मौलाना ईमरान साहब की दुवा के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय और छात्राओं की प्रगति की कामना की गई। इस अवसर पर सचिव आवेश कुरैशी, उपसचिव आबिद बेहलीम एडवोकेट, कोषाध्यक्ष आदिल कुरैशी, कोषाध्यक्ष अलाउद्दीन कुरैशी, हाजी जाफर कुरैशी, हाजी शरीफ बांगी, मुफ्ती सफीक थीम, हाफिज अब्दुल सतार, मुस्तफा कुरैशी, मुफ्ती इरशाद सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उत्साह, उमंग और बाल दिवस की खुशियों का वातावरण छाया रहा।

तनाव प्रबंधन नहीं किया तो हो सकते है एंजाइटी, डिप्रेशन- डॉ. जीनगर

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर के नव प्रशिक्षणार्थी एवं अधिकारी के बीच डॉ. जितेंद्र जीनगर, प्रोफेसर एवं विभागध्यक्ष, मनोचिकित्सा विभाग गीतांजली हॉस्पिटल ने कार्य स्थल पर हो रहे तनाव व उसके प्रबंधन के बारे में विस्तृत में चर्चा करी ।
डॉ. जीनगर ने कहा कि तनाव बढ़ने पर एंजाइटी, फोबिया, ओसीडी, डिप्रेशन, नशे के आदी होने की संभावना बढ़ जाती है साथ ही आत्महत्या के विचार भी आ सकते है । लगातार तनाव में रहने से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं व्यावहारिक बदलाव आने लगते है । कार्यस्थल पर तनाव के मुख्य कारण जिसमे, लंबे समय तक कार्य करना, स्टाफ की कमी, कार्यसमय में फ्लेक्सिबिलिटी न होना, कार्य का बोझ, असुरक्षित जगह कार्य करना, कार्य कुशलता की कमी, सीनियर्स के साथ कम्युनिकेशन की कमी, निर्णय लेने का अधिकार नहीं, पारस्परिक सहयोग की कमी, वेतन में असमानता, शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना आदि हैं । इससे कार्य क्षमता में कमी, अकाग्रता में कमी, भूख प्यास में बदलाव, नींद की समस्या, मूड स्विंग होना, काम करने की इच्छा कम होना, थकावट रहना, डर-भय लगना, आत्मविश्वास में कमी, व्यवहार में चिडचिडापन होना, शारीरिक लक्षण आना जैसे (सिरदर्द, एसिडिटि, पेट दर्द, घबराहट, सीने में दर्द) व्यक्ति का नशे की तरफ़ भागना ईत्याथि बदलाव आने लग जाते है । तनाव प्रबंधन के लिए नियमित व्यायाम करे, फल फ्रूट का सेवन बढ़ाए, योग-प्राणायाम करे, ब्रीथिंग रिलैक्सेशन टेक्नीक प्रैक्टिस करे, मेंडिटेशन प्रैक्टिस करे, अपनी हॉबी में समय बिताये, पर्याप्त मात्रा में नींद लेवे, अपने कार्य और व्यक्तिगत जीवन में बैलेंस बनाए रखे, कार्य स्थल पर छोटे छोटे ब्रेक लेते रहे, सकारात्मक विचारधारा रखें, ना बोलना सिखे, अपने दोस्तों और परिवार जनों से बातचित करे, छुट्टियों पर जाये ।

मौलाना आज़ाद के व्यक्तित्व को अपना आदर्श बनायें - डॉ. काज़मी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, लेखक, पत्रकार और विचारक थे। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री रहें और उन्होंने अपने जीवन को शिक्षा, एकता और सामाजिक सुधार के कार्यों के लिए समर्पित किया। वे हिन्दू-मुस्लिम एकता के पक्षधर रहे। ये कहना है मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय जोधपुर के अध्यक्ष डॉ. जमील काज़मी का। वे मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के जन्मदिवस पर घोषित राष्ट्रीय शिक्षा दिवस एवं उनके 137वें जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अपना सम्बोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मौलाना आज़ाद का योगदान भारतीय समाज के बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वह बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी थे। हम सब उनके व्यक्तित्व को अपना आदर्श बनाये। प्रोग्राम कॉर्डिनेटर व उर्दू विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर अज़ीज़ुलहसन ने कहा कि मौलाना आज़ाद का जीवन शिक्षा, मानवता और एकता के आदर्शों से परिपूर्ण था। उन्होंने आधुनिक भारत की शिक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव रखी। भारत सरकार ने उनकी स्मृति में 11 नवम्बर को "राष्ट्रीय शिक्षा दिवस" (नेशनल एज्यूकेशन डे) घोषित किया है जो उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण और आदर्शों को स्मरण करता है। शिक्षा विभाग की डीन डॉ. समीना ने बताया कि मौलाना आज़ाद का मानना था कि शिक्षा हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की नींव रखी। उनका कथन था "शिक्षा का अर्थ केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि मनुष्य का पूर्ण विकास है।" उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), यूनिवर्सिटी एज्यूकेशन कमीशन, सेकेन्ड्री एज्यूकेशन कमीशन, ऑल इण्डिया कौंसिल फॉर टेक्निकल एज्यूकेशन, इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर टेक्नॉलोजी, इण्डियन कौंसिल फॉर एग्रीकल्चरल एण्ड साइंटीफिक रिसर्च, आईआईटी खड़गपुर, साहित्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी व ललित कला अकादमी जैसे कई प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना की। इन संस्थानों ने भारतीय शिक्षा और संस्कृति को एक नई दिशा दी। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अब्दुल्लाह खलिद ने कहा कि मौलाना आज़ाद ने तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा को आधुनिक भारत की प्रगति के लिए आवश्यक माना। उन्होंने उच्च शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा को भी बढ़ावा दिया। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना ने बताया कि मौलाना आज़ाद ने हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं को भारत की सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में देखा। उनके अनुसार, भाषा विभाजन का नहीं, एकता का माध्यम होनी चाहिए। डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने बताया कि एमएससी थर्ड सेम की छात्रा ज़हीन सय्यद, एमए थर्ड सेम के छात्र इदरीस, एमए थर्ड सेम के छात्र सज्याद ने देश की आज़ादी में मौलाना आज़ाद के संघर्ष और आजादी के बाद के नये भारत के विकास में उनके योगदान को याद किया।

बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में गीतांजली हॉस्पिटल की डॉ. सविता चौधरी के दो महत्वपूर्ण व्याख्यान

सम्मेलन में उनकी विशेषज्ञता की सराहना की गई।

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर की डॉ. सविता चौधरी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष – इमरजेंसी मेडिसिन, ने हाल ही में बेंगलुरु स्थित रामैया मेडिकल कॉलेज में आयोजित ट्रॉमा एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर के वार्षिक सम्मेलन में दो महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किए।
यह सम्मेलन का विषय था—
"Collaborative Multidisciplinary Approach to Trauma Care and Beyond"
जिसमें देशभर से विशेषज्ञों ने ट्रॉमा मैनेजमेंट के आधुनिक तरीकों और अनुभवों को साझा किया।
डॉ. सविता चौधरी ने सम्मेलन में दो प्रमुख विषयों पर व्याख्यान दिए:
छाती की चोटें एवं आपातकालीन हस्तक्षेप (Chest Injury & Emergency Intervention)
गर्भवती महिलाओं में ट्रॉमा प्रबंधन (Obstetrics Trauma)
उनके व्याख्यानों ने ट्रॉमा के जटिल मामलों में बहु-विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता और सही प्रोटोकॉल के महत्व को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

दिल्ली कार धमाके के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर गिरी गाज, रद्द हुई सदस्यता

नई दिल्ली। भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने अल फलाह विश्वविद्यालय की सदस्यता निलंबित कर दी है। संघ ने एक आधिकारिक पत्र के माध्यम से विश्वविद्यालय को इस निर्णय की जानकारी दी। दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार धमाके में फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े लोगों का नाम सामने आ रहा है। ऐसे में अब यूनिवर्सिटी के ऊपर भी एक्शन होना शुरू हो गया है। गुरुवार को भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी की सदस्यता को रद्द कर दिया। संघ ने एक आधिकारिक पत्र के जरिए इस निर्णय की जानकारी दी। इस पत्र के माध्यम से संघ ने अल-फलाह से अपना लोगो हटाने और किसी भी रूप में संघ के नाम का उपयोग न करने का भी निर्देश दिया है। संगठन की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि यूनिवर्सिटी की सदस्यता को रद्द किया जाता है। अधिकारिक बयान में कहा गया, 'यह सूचित किया जाता है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) के उपनियमों के अनुसार, सभी विश्वविद्यालयों को तब तक सदस्य माना जाएगा जब तक वे अच्छी स्थिति में रहते हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों के अनुसार,

यह संज्ञान में आया है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा, अच्छी स्थिति में प्रतीत नहीं होता है। तदनुसार, अल-फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा को दी गई AIU की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित की जाती है।" संगठन ने इस बात की भी पुष्टि की कि विश्वविद्यालय AIU के नाम या लोगो का उपयोग नहीं कर सकता है। इसमें कहा गया है, "इसके अलावा, यह सूचित किया जाता है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय को अपनी किसी भी गतिविधि में एआईयू के नाम या लोगो का उपयोग करने के लिए अधिकृत नहीं किया गया है और एआईयू के लोगो को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से तुरंत हटा दिया जाना चाहिए।" विश्वविद्यालय संघ के अलावा अल-फलाह यूनिवर्सिटी के ऊपर सरकार की तरफ से भी जांच की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, धमाके से जुड़े संदिग्ध लोगों से यूनिवर्सिटी का संबंध सामने आए के बाद केंद्र सरकार ने यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड की जांच करने का आदेश जारी कर दिया है। इसके अलावा ईडी ने यूनिवर्सिटी को आने वाले फंड की जांच करनी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के धौज में स्थित एक प्राइवेट संस्थान है। इसमें इंजीनियरिंग के अलावा कुछ मेडीकल की सीटें भी उपलब्ध है और यूनिवर्सिटी का अपना एक हॉस्पिटल भी है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली में लाल किला के पास धमाके वाली कार चला रहा डॉक्टर उमर नबी, इसी यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में काम कर रहा था।

अजमेर आनासागर झील के वेटलैंड के नाम पर आम जनता के साथ हो रहा अन्याय- राठौड़

-पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने लिखा मुख्यमंत्री के नाम पत्र

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने आनासागर वेटलैंड के नाम पर आम जनता के साथ की जा रही अन्यायपूर्ण कार्यवाही के सन्दर्भ में मुख्यमंत्री भजन लाल को पत्र लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में बताया कि 13 नवंबर 2025 को मुझे गौरवपथ संघर्ष समिति, अजमेर के सदस्यों द्वारा एक ज्ञापन व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्रेषित किया गया। समिति सदस्यो से हुई वार्ता से मुझे यह ज्ञात हुआ कि राजनितिक दखल और दबाव में आनासागर के चारों तरफ निवास एवं व्यवसाय कर रही आमजनता के साथ भेदभावपूर्ण अविधिक कार्यवाही प्रशासन द्वारा की जा रही है। गत वर्ष गौरवपथ, अजमेर पर खातेदारों की निजी संपत्तियों को वेटलैंड क्षेत्र मानते हुए अवैधानिक तरीके से सीज कर दिया गया, जबकि उन सभी खातेदारों के पास उच्च न्यायालय के यथास्थिति बनाए रखने एवं बिना उच्च न्यायालय किं पूर्वानुमति के बेदखल नहीं करने के स्थगन आदेश प्रभावी थे। इसी सीजिंग कार्यवाही के सन्दर्भ में 1.09.2019 को उच्च

न्यायालय द्वारा अवमानना याचिका सं- 696 2024 में इस सीजिंग कार्यवाही को अवैध और सीज़ करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों को अवमानना का दोषी सिद्ध किया गया व इसी याचिका में 18.09.2025 को इन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उच्च न्यायालय में 7 दिवस संपति को सीजमुक्त करने की अंडरटेकिंग दी गई, परन्तु उसकी पालना नहीं की गई। गौरवपथ पर ही स्थित सेवन वंडर को खुद प्रशासन द्वारा ही सुप्रीम कोर्ट में गलत हलफनामा देकर तोड़ दिया गया, जबकि सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी. द्वारा जारी आदेश के अनुसार पहले आनासागर वेटलैंड का वैज्ञानिक सीमांकन ही नहीं कराया गया। इससे जनता के 20 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुक़सान खुद प्रशासन द्वारा किया गया है। अब जैसा मुझे ज्ञात हुआ है कि प्रशासन द्वारा किसी दबाव में बिना वैज्ञानिक आधार के ही आनासागर झील का वेटलैंड तय किया जा रहा है, उसे बार बार बदला जा रहा है, चहेतों को बचाने और विरोधियों को दण्डित करने का प्रयास हो रहा है, जो कि सुप्रीम कोर्ट, एनजीटी व वेटलैंड रुल्स 2017 का स्पष्ट उल्लंघन है व प्रशासन द्वारा जो ड्राफ्ट प्लान तैयार किया गया है। उसमें कई आवासीय कोलोनियाँ व व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हो रहे हैं, जिन्हें बाद में नियमानुसार ध्वस्त करना पड़ेगा और इससे पचास से साठ हजार जनता पर प्रभाव पड़ेगा। कई नागरिक बेघर और बेरोजगार हो जायेंगे। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि आनासागर वेटलैंड का नियमानुसार व न्यायोचित सीमांकन कराया जाए एवं गलत तरीके से बिना सुनवाई किए जिन संपत्तियों को सीज किया गया है, उन्हें सीज़मुक्त कराएं। आनासागर वेटलैंड से सम्बंधित सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी के आदेशों की महत्वपूर्ण जानकारी नीचे उल्लेखित कर रहा हूँ।

दिल्ली विस्फोट के बाद भारत के साथ खड़े हुए मुस्लिम देश, आतंकवाद के खिलाफ उठाई आवाज

अबूधाबी/रियाद/तेहरान । नई दिल्ली में लाल किले के पास हुए भीषण विस्फोट के बाद मुस्लिम देशों ने भारत के साथ एकजुटता जताई है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि वह हिंसा और आतंकवाद की सभी गतिविधियों को अस्वीकार करता है। सऊदी अरब ने भी विस्फोट में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भारत को अपना समर्थन दिया है। इसके साथ ही कतर, मालदीव और दोस्त ईरान ने भी हमले की निंदा करते हुए भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की है।

यूएई ने आतंकवादी हमले की निंदा की-

यूएई के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि वह इन आपराधिक कृत्यों की कड़ी निंदा करता है और सुरक्षा एवं स्थिरता को कमजोर करने के उद्देश्य से की जाने वाली सभी प्रकार की हिंसा और आतंकवाद को स्थायी रूप से अस्वीकार करता है। मंत्रालय ने पीड़ितों के परिवारों, भारत सरकार और जनता के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। नई दिल्ली स्थित सऊदी अरब के दूतावास ने एक बयान में कहा कि किंगडम दोस्त भारत के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता है। इसमें कहा गया है कि दूतावास पीड़ितों के परिवारों, भारत गणराज्य की सरकार और जनता के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। इसमें घायलों के जल्दी ठीक होने और भारत व उसके दोस्त जैसे लोगों की सुरक्षा की कामना की गई है।

भारत के साथ खड़ा हुआ ईरान-

ईरान ने भी दिल्ली में हुए विस्फोट पर भारत को समर्थन दिया है। नई दिल्ली में मौजूद ईरानी दूतावास ने एक बयान में कहा कि इस्लामी गणराज्य कार विस्फोट की घटना में कई भारतीय नागरिकों की मौत और घायल होने पर गहरा दुख व्यक्त करता है। दूतावास पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और उनके धैर्य और सांत्वना की कामना करता है, साथ ही इस दुखद घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है। दिल्ली में हुए आतंकवादी हमले पर मालदीव ने भी संवेदना प्रकट की है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने एक्स पर लिखा, दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट में हुई दुखद मौत से अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं और घायलों की जल्द स्वस्थ होने की कामाना। मालदीव इस कठिन समय में भारत की जनता और सरकार के साथ एकजुटता से खड़ा है।

बलिया में मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकरों पर कार्यवाही

-17 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बलिया । उत्तर प्रदेश के बलिया में मस्जिदों में तेज आवाज में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर 17 लोगों के ऊपर मुकदमा दर्ज किया है। एसपी के मुताबिक ये कार्यवाही सुप्रीम कोर्ट और यूपी सरकार के निर्देशों के उल्लंघन के तहत किया गया है। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में पुलिस ने मस्जिदों में तेज आवाज में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर सोमवार को कुल 17 मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि ये कार्रवाई कार्यवाही उच्चतम न्यायालय और प्रदेश सरकार के निर्देशों के उल्लंघन के मामलों में की गई है। एसपी ने बताया कि सभी मामलों में मस्जिदों के संरक्षकों और मौलवियों को नामजद किया गया है। संबंधित लोगों को न्यायालय व शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की हिदायत भी दी गई है। जानकारी के अनुसार, बांसडीह रोड थाने में उपनिरीक्षक महेंद्र रावत की तहरीर पर गोठहुली मस्जिद के मौलवी मोहम्मद शाहजहां के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जहां दो बड़े लाउडस्पीकर तेज आवाज में उपयोग किए जा रहे थे। इसी तरह भीमपुरा थाने में उपनिरीक्षक दुर्गेश गौड़ की तहरीर पर शोधनपुर मस्जिद के संरक्षक मोहम्मद सलीम अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में आरोप है कि मस्जिद पर तीन लाउडस्पीकर लगाए गए थे और स्थानीय लोगों के मना करने के बावजूद तेज आवाज में अजान और नमाज अदा की जा रही थी। बलिया शहर कोतवाली में भी जमुआ मस्जिद के संरक्षक हैदर अली और उमरगंज मस्जिद के संरक्षक गुलाम अरशद के खिलाफ अलग-अलग मुकदमे दर्ज हुए हैं। इसके अलावा नगरा, पकड़ी और रेवती थानों में भी मस्जिदों के मौलवियों और संरक्षकों पर कार्रवाई की गई है।

प्रदेश के कई जिलों में चला अभियान-

उधर कई जिलों में प्रशासन ने अभियान चलाते हुए मानक से विपरित वाले लाउडस्पीकर उतरवाए। बस्ती, प्रयागराज, मेरठ और झांसी समेत कई अन्य जिलों की पुलिस ने धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग किया। इस दौरान मानक से अधिक ध्वनि वाले लाउडस्पीकरों के विरुद्ध उचित एक्शन लिया गया। वहीं, जमीयत उलमा शहर के पूर्व अध्यक्ष जैनुर राशिद्दीन सिद्दीकी ने मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारों के प्रबंधकों से अपील की कि धर्मस्थलों पर लाउडस्पीकर के प्रयोग में नियम-कानूनों का पालन सुनिश्चित करें। लाउडस्पीकर की आवाज मानक के अनुरूप हो। नियम-कानून के उल्लंघन पर ध्वनि प्रदूषण पर पुलिस-प्रशासन कार्यवाही कर सकता है।

एडवोकेट अंसार इन्दौरी को मिला चेंज मेकर पुरस्कार

-देशभर से चुने गए 100 लोगों में हुए शामिल

लखनऊ/कोटा (रॉयल पत्रिका) । मानवाधिकार कार्यकर्ता एडवोकेट अंसार इंदौरी को देशभर से चुने गए 100 बदलाव लाने वाले व्यक्तियों में शामिल करके पुरस्कृत किया गया है। एसोसियेशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेसनल्स के संभागीय अध्यक्ष सिराज अहमद अंसारी ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि संगठन द्वारा लखनऊ में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें यह पुरस्कार दिया गया।

उन्होंने बताया कि हर वर्ष देशभर में मुस्लिम समाज की शिक्षा, स्वास्थ, वित्त, समाज सेवा, मानवाधिकार संरक्षण सहित कई क्षेत्रों में बदलाव का प्रयास कर रहे 100 लोगों का चयन करता है। संगठन की यह चयन प्रक्रिया कई स्तरों से होकर गुजरती है और समाज के प्रसिद्ध पेशेवर व्यक्तियों की ज्यूरी अंतिम मोहर लगाती है।

उन्होंने बताया कि यह अवॉर्ड अन्सार इन्दौरी उनके वंचित समुदाय के अधिकारों और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए अद्वितीय योगदान हेतु दिया गया। इस पुरस्कार का उद्देश्य मानवाधिकारों की रक्षा के लिए उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करना और उनके कार्यों को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करना है। यह पुरस्कार मानवाधिकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य और नेतृत्व के लिए दिया जाता है। अवॉर्ड मिलने के बाद अंसार इंदौरी के कार्य और अभियानों को व्यापक पहचान मिलेगी। चेंज मेकर अवॉर्ड मिलने पर एडवोकेट अन्सार इन्दौरी ने अपने कार्यों की देशव्यापी पहचान के लिए खुशी जाहिर की और आगे भी समर्पित रूप से काम करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अवॉर्ड से न सिर्फ कार्यकर्ता को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि पूरे समाज को मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक किया जा सकता है।

मालपुरा से गिरफ्तार युवक को सकुशल बरी किया एटीएस टीम ने

मालपुरा (रॉयल पत्रिका)। शनिवार 15 नवंबर को अल सवेरे एटीएस की टीम ने दस्तक दी और एक युवक को मोबाइल ट्रेसिंग के जरिए उठा ले गई। जिसके बाद मीडिया में तहलका मच गया और मीडिया ने तो जैसे एटीएस से भी ऊपर के लेवल का मुकाम रखा हो उस युवक को आतंकी तक घोषित कर डाला। युवक पेशे से डॉक्टर है जो हाल ही में अपनी डिग्री सम्बन्धित डॉक्यूमेंट्स लेने दिल्ली गया हुआ था। किसी कारण से उस लोकेशन पर उसके नंबर की ट्रेसिंग हुई क्योंकि दिल्ली बमकाण्ड में दिल्ली में बाहर से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की लोकेशन ट्रेस की गई। मालपुरा का युवक की भी गलती से लोकेशन ट्रेस हुई और गलती से युवक डॉक्टर भी था तो ये तो होना ही था। जैसे ही एटीएस की टीम ने मालपुरा उसके घर पर दस्तक दी तो युवक डॉक्टर खुद एटीएस की टीम के साथ बैठ कर गया और एटीएस ने युवक से पूछताछ की और उसके बाद उस युवक को सकुशल छोड़ दिया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com